

वर्ष-23 अंक- 35
पृष्ठ 8
मंगलवार
20 अक्टूबर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध-

सर्दियों में बालों में तेल...

विचार-

भारतीय न्याय व्यवस्था खर्चीली...

खेल-

3-0 से क्लीन स्वीप के लक्ष्य के...

नारी गरिमा से खिलवाड़ स्वीकार नहीं : योगी ‘जिद छोड़ माफी मांग, वरना भुगतना होगा

विजयादशमी पर समाज को तोड़ने वाली शक्तियों को करें बेनकाब

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो समाज जगत जननी मां भगवती का उपासक है, वहां नारी गरिमा के विपरीत आचरण की कोई जगह नहीं हो सकती। सनातन परंपरा ने सदैव मातृशक्ति की सुरक्षा, सम्मान और गरिमा को सर्वोच्च स्थान दिया है। नवरात्रि में कन्याओं का पूजन इसी भाव का प्रतीक है। सरकार ने इस परंपरा को केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली का हिस्सा बनाया है। मिशन शक्ति अभियान इसी संकल्प से प्रेरित है। मुख्यमंत्री सोमवार को शारदीय नवरात्रि की महानवमी पर गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। जगत जननी मां भगवती का नवम स्वरूप सभी सिद्धियां प्रदान करने वाला है। महानवमी पर कन्या पूजन के माध्यम से सनातन धर्मावलंबी मातृशक्ति के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते



हैं। बासंतिक और शारदीय नवरात्रि की परंपरा नारी के प्रति सर्वोच्च सम्मान का संदेश देती है। गोरखनाथ मंदिर की इस पावन परंपरा से जुड़कर कन्याओं का पूजन और उन्हें भोजन कराने का अवसर मिलना उनका सौभाग्य है। नारी सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। प्रदेश के प्रत्येक थाने में महिला हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। महिलाओं की समस्याओं के समाधान के लिए अलग कक्ष की व्यवस्था है, जहां महिला बीट पुलिस अधिकारी अथवा उपनिरीक्षक स्तर की महिला अधिकारी उनकी समस्याएं

सुनती हैं। महिलाओं की सहायता के लिए 1090 हेल्पलाइन भी संचालित है। 2017 तक उत्तर प्रदेश पुलिस में लगभग 10 हजार महिला कर्मिका थीं। आज यह संख्या बढ़कर करीब 45 हजार हो गई है। पुलिस भर्ती में महिलाओं के लिए 20 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गई हैं। महिला पुलिसकर्मी प्रदेश में बेहतर सुरक्षा का माहौल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत बेटी के जन्म से स्नातक तक की शिक्षा के लिए विभिन्न चरणों में 25 हजार रुपये उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत

एक लाख रुपये की सहायता दी जा रही है। अब तक पांच लाख से अधिक कन्याओं के विवाह इस योजना के माध्यम से संपन्न हो चुके हैं। प्रदेश में 54 हजार बीसी सखी ग्राम पंचायतों में बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं। झोपे दीदी और लखपति दीदी जैसे कार्यक्रमों से भी महिलाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। शारदीय नवरात्रि में प्रदेश के 45 हजार स्थानों पर दुर्गा पूजा पंडाल स्थापित किए गए हैं। देवी मंदिरों और शक्तिपीठों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। मां विद्यासिनी धाम में कॉरिडोर निर्माण के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। शक्तिपीठ देवीपाटन, सहारनपुर स्थित मां शाकंभरी पीठ और सीतापुर के ललिता देवी शक्तिपीठ में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। दर्शनार्थियों की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए प्रबंध किए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मंगलवार को विजयादशमी का पर्व मनाया जाएगा। यह अर्धम,

असत्य और अन्याय पर धर्म, सत्य और न्याय की विजय का उत्सव है। प्रभु श्रीराम की विजय का यह पर्व समाज को बुराइयों से मुक्त होने का संदेश देता है। रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों के दहन के साथ नशे, भ्रष्टाचार, अराजकता, असुरक्षा आतंकवाद जैसी बुराइयों के खाले का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने समाज की एकता को भंग कर राष्ट्र को कमजोर करने का प्रयास करने वाले अराजक तत्वों को बेनकाब करने का आह्वान किया। कहा कि विजयादशमी पर रामलीला और पुतला दहन के आयोजनों के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को महानवमी की बधाई देते हुए मां भगवती से सभी के सुख और समृद्धि की कामना की। विजयादशमी की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पर्व केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि समाज को नशे, भ्रष्टाचार, अराजकता और विभाजनकारी प्रवृत्तियों से मुक्त करने का संकल्प लेने का भी अवसर है।

अब लॉरेंस के भाई ने दी सलमान को धमकी

अबोहर। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुए हालिया हमले के बाद जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के परिवार की तरफ से एक बड़ा बयान सामने आया है। लॉरेंस बिश्नोई के चचेरे भाई रमेश बिश्नोई ने सोमवार को कहा कि सुपरस्टार सलमान खान को बिश्नोई समाज से माफी मांगनी चाहिए, अन्यथा इसके खतरनाक परिणाम भुगतने होंगे। लॉरेंस बिश्नोई गैंग की सलमान खान से दुश्मनी साल 1998 में राजस्थान में फिल्म हम साथ-साथ हैं की शूटिंग के दौरान हुए काले हिरण शिकार मामले से जुड़ी है। इस मामले में ट्रायल कोर्ट ने 2018 में सलमान को दोषी ठहराया था, जिसके खिलाफ अभिनेता ने उच्च अदालतों में अपील की है और वह खुद को बेकसूर बताते आ रहे हैं।

जो सलमान के साथ काम करेगा, भुगतने



टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले के बाद समाचार एजेंसी आईएनएस से बात करते हुए रमेश बिश्नोई ने कहा कि जैसा कि आपने ऑडियो में सुना, मैंने भी वही सुना कि हमने उसे रोक दिया है और एक बार फिर चेतावनी देना चाहते हैं कि जो कोई भी सलमान खान के साथ काम करेगा, उसे परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह सिर्फ लॉरेंस बिश्नोई गैंग की बात दोहरा रहे हैं, ये मेरे शब्द नहीं हैं, मैं केवल इस मामले पर उनकी भावनाओं का

हवाला दे रहा हूँ। रमेश ने आगे कहा कि मैं सलमान खान के परिवार से कहना चाहूंगा कि वे अपनी जिद छोड़ दें। यह पूरे समाज से जुड़ा मुद्दा है और समाज के भीतर भारी गुस्सा है। उन्होंने दावा किया कि लॉरेंस अकेले कोई व्यक्तिगत विवाद नहीं रख रहा है, बल्कि वह पूरे समाज के गुस्से को जाहिर कर रहा है। रमेश के मुताबिक, लॉरेंस ने सलमान खान के सामने एक सीधा समाधान रखा था कि वे आगे आकर माफी मांग लें, लेकिन अभिनेता माफी नहीं मांगना चाहते।

एसआईआर प्रक्रिया पर जयराम रमेश ने उठाए सवाल, वोटर लिस्ट से नाम हटाने को बताया असंवैधानिक

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने सोमवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को ‘अवैध और असंवैधानिक’ करार देते हुए इसे तत्काल रोकने की मांग की और कहा कि मतदाता सूचियों से गलत तरीके से हटाए गए सभी मतदाताओं के नाम शामिल किए जाने चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ‘एक्स’ पर एक खबर का हवाला देते हुए दावा किया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान हटाए गए मतदाताओं में बड़ी संख्या ‘एससीडी’ (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लीकेट) श्रेणी की है और भाजपा तथा उसके ‘अनौपचारिक प्रवक्ता’ इसे मतदाता सूचियों की ‘सफाई’ बताकर इस प्रक्रिया का बचाव कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में नागरिक अधिकार संगठनों द्वारा किए गए एक सार्वजनिक ऑडिट में ‘एससीडी’ के नाम पर मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए जाने के मामले सामने आए हैं। कांग्रेस नेता के मुताबिक, महज दो मतदान केंद्रों पर कम से कम 100 ऐसे मतदाता मिले, जिनके नाम ‘एससीडी’ श्रेणी में गलत तरीके से हटा दिए गए और इनमें से ज्यादातर को ‘स्थानांतरित’ या ‘अनुपस्थित’ बताया गया था।

रमेश ने दावा किया कि देश भर में केवल ‘स्थानांतरित’ और ‘अनुपस्थित’ श्रेणियों में नौ करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने सवाल किया कि इनमें से कितने वास्तविक मतदाता हैं जिन्हें मतदान के अधिकार से वंचित किया जा रहा है?

शुभकामना

दशहरा के शुभ अवसर पर समस्त नागरिकों, सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभेच्छुओं को हार्दिक शुभकामनायें।

—सम्पादक

सूचना

दशहरा के उपलक्ष्य में प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 22 अक्टूबर को प्रकाशित होगा।

—व्यवस्थापक

अहमदाबाद ब्लास्ट केस: सुप्रीम कोर्ट ने दोषी मोहम्मद तनवीर की फांसी पर लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2008 में अहमदाबाद में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों में संलिप्तता के लिए दोषी ठहराए गए इंडियन मुजाहिदीन के एक सदस्य को सुनाई गई मौत की सजा पर रोक लगा दी है। इन धमाकों में 56 लोगों की मौत हुई थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने दोषी मोहम्मद तनवीर की याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। तनवीर ने गुजरात उच्च न्यायालय के सात जुलाई के फैसले को चुनौती दी है। उच्च न्यायालय ने सात जुलाई को सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन के 38 सदस्यों की मौत की सजा बरकरार रखी थी। उच्च न्यायालय ने सजा बरकरार रखने के प्रमुख कारणों में बड़ी संख्या में लोगों की मौत, साजिश की व्यापकता और बड़े पैमाने पर आतंक फैलाने के इरादे का उल्लेख किया था। अहमदाबाद के विभिन्न इलाकों में 26 जुलाई, 2008 को 70 मिनट के भीतर 21 बम धमाके हुए थे।

कांग्रेस में लौटे राम शरण नौटियाल,

कुमारी शैलजा ने किया स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी की महासचिव और उत्तराखंड प्रमारी कुमारी शैलजा ने राम शरण नौटियाल का कांग्रेस पार्टी में वापस स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में काम करने का उनका अनुभव, उस पार्टी की कार्यप्रणाली को समझने में मददगार साबित होगा। दिल्ली में बात करते हुए, शैलजा ने बताया कि नौटियाल



कांग्रेस में वापस आकर बहुत खुश हैं वही पार्टी जिसकी विचारधारा का वे पहले भी समर्थन करते थे।

रिश्वतखोरी की जांच के लिए पूर्व मंजूरी जरूरी नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत, किसी सरकारी कर्मचारी द्वारा कथित तौर पर रिश्वत मांगने के मामले की जांच के लिए पूर्व अनुमति की आवश्यकता नहीं है क्योंकि यह कृत्य आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन से जुड़ा हुआ नहीं है। न्यायमूर्ति एस.वी.एन. भट्टी और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ ने 16 अक्टूबर को दिए गए अपने फैसले में यह महत्वपूर्ण टिप्पणी की। इस फैसले के जरिए, पीठ ने राजस्थान पुलिस के एक कांस्टेबल की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उसने अपने खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप तय किए जाने को चुनौती दी थी। पीठ के लिए फैसला लिखते हुए, न्यायमूर्ति अंजारिया ने राजस्थान उच्च न्यायालय के उस निर्णय को बरकरार रखा, जिसमें कांस्टेबल तेजाराम के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत आरोप तय करने वाली अधीनस्थ अदालत के आदेश में हस्तक्षेप करने से



इनकार कर दिया था। अधिनियम की धारा 7 (2018 में संशोधित), उन लोक सेवकों को दंडित करने का प्रावधान करती है जो अपने सार्वजनिक कर्तव्यों का अनुचित या बेईमानी से पालन करने के लिए कोई गैर-वाजिब लाभ प्राप्त करते हैं, या इसे हासिल करने का प्रयास करते हैं। शीर्ष अदालत ने कांस्टेबल के इस बचाव को खारिज कर दिया कि लोक सेवकों द्वारा अपने आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान लिए गए निर्णयों या की गई अनुशंसा से जुड़े कुछ अपराधों की जांच या पूछताछ के लिए, अधिनियम की धारा 17ए के तहत जांच एजेंसी ने पूर्व अनुमति नहीं ली थी।

धारा 17ए उन अपराधों की जांच या पूछताछ से संबंधित है, जो लोक सेवकों द्वारा अपने आधिकारिक कार्यों या कर्तव्यों का पालन करते समय की गई अनुशंसा या लिए गए निर्णयों से संबंधित हैं।

विभिन्न फैसलों का हवाला देते हुए, इस निर्णय में कहा गया कि धन का दुरुपयोग, खातों में हेराफेरी, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और रिश्वत लेने जैसे अपराध इस प्रावधान के दायरे से बाहर हैं। अधिनियम की धारा 17ए के लागू होने के दायरे और विस्तार के संबंध में दिए गए फैसलों से कानून की एक स्पष्ट स्थिति सामने आती है।

PRESS

हमेशा आपके साथ



शहर समता

संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र



Website

www.shaharsamta.com



Subscribe on YouTube

youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

नवरात्रि उत्सव के समापन पर डांडिया नृत्य ने बांधी समां

करछना। क्षेत्र के पिपरांव में चल रहे नौ दिनी मां दुर्गा नवरात्रि उत्सव में समापन के पूर्व डांडिया नृत्य की प्रस्तुति ने खूब समां बांधी। बड़ी संख्या में जुटी महिलाओं ने मां सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना और आरती के उपरान्त विविध प्रकार के नृत्य प्रस्तुत कर



वातावरण को उल्लास और आनन्द से भरपूर कर दिया। प्रथम बर्ष से आरंभ हुए उत्सव में इसके पूर्व भी प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय भक्तों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। समिति की ओर से शम्भू सिंह, अभिषेक श्रीवास्तव और सुनील कुमार प्रजापति ने सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया।इस मौके पर निशा सिंह,साक्षी श्रीवास्तव, किरन सिंह,आशा प्रजापति, कुसुम श्रीवास्तव,सोना,निशा प्रजापति,साधना सिंह,विशाखा,पीयूषा केसरवानी, आंचल,प्रांसी,मीनू पाण्डेय प्रतिमा पूजा, प्रियंका कृष्णावती,प्रिंसी श्रद्धा, पम्मी सिंह नैन्सी समेत बड़ी संख्या में महिलाएं और श्रोता भक्त जन उपस्थित रहे।

विश्वनाथ के शिवाजी संघ दुर्गा पूजा पंडाल में असम के संस्कृति के समावेश तथा दुर्गा मूर्ति बना आकर्षण का केंद्र ‘दुर्गा मूर्ति को देखने के लिए दूर— दराज से असंख्य श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी’

विश्वनाथ, असम। विश्वनाथ जिले के सदर के बौ — बाजार के शिवाजी संघ के श्री श्री दुर्गा पुजा समिति के पूजा पंडाल अपने आप में खास है। यह पूजा पंडाल के एक तरफ असम के ढोल, टका, गगना , सुतुलि,ताल , बिहू नाचनी और दूसरी तरफ ढाक, शंख, एकतारा, बाउल नृत्य से असम के फुलाम गामोछा के ढाँचा से सज्जित सभी श्रद्धालुओं का आकर्षण का केंद्र बिंदु बन पड़ा है। साथ ही इस पूजा पंडाल के दुर्गा मूर्ति के देखने असंख्य भक्तों की तांता लग रहा है। इधर आज से सुबह में 6 बजे पूजा पंडाल में असंख्य भक्तों ने दुर्गा देवी की आराधना करते हुए नैवेद्य अर्पित की। पुजारी द्वारा संधि पूजा के बाद भक्तों ने पुष्पांजलि दी और प्रणाम मंत्र पाठ की। तत्पश्चात् दोपहर प्रसाद वितरण किया गया। जानकारी के अनुसार शिवाजी संघ के 26 वर्षीय इस पूजा समिति ने कम खर्च में इस पूजा पंडाल में असम के जीवंत सांस्कृतिक धरोहर पेश किया है । विश्वनाथ में इस पूजा पंडाल के दुर्गा मूर्ति और पंडाल का प्रारूप सभी दर्शकों के मुंह में चर्चा के केंद्र बन पड़ा है।

शारदीय नवरात्र की नवमी पर बुजुर्ग महिलाओं का देवियों के स्वरूप में पूजन

लखनऊ,संवाददाता। शारदीय नवरात्र की नवमी पर नरही नागरिक एवं व्यापारी कल्याण समिति ने बुजुर्ग और विधवा महिलाओं के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। नरही बाजार स्थित पाल पैराडाइज होटल में समिति के संयोजक सुभाष श्रीवास्तव की अगुवाई में 9 महिलाओं को देवी स्वरूप मानकर उनके चरण धोए गए। इसके बाद पूजन और आरती कर उन्हें पांच फल और शॉल भेंट की गई। सुभाष श्रीवास्तव ने कहा कि कन्या पूजन की परंपरा को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए उपेक्षित बुजुर्ग और विधवा महिलाओं को सम्मान देने की पहल की गई है। इसका उद्देश्य उनके जीवन में खुशियां लाना और समाज में उनके प्रति सम्मान बढ़ाना है। कार्यक्रम में विपिनकांत, मुबारक भाई, राजेश कुमार चंद्र, ऋषभ सिंह, विनय कुमार, विवेक द्विवेदी, अश्वनी कुमार, विशाल साहू, करन और अनिल यादव सहित कई लोग मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री ने ने महाअष्टमी एवं महानवमी पर प्रदेशवासियों को दी बधाई व शुभकामनाएं

लखनऊ,संवाददाता। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ने शारदीय नवरात्रि में महाअष्टमी एवं महानवमी के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने माँ भगवती से प्रदेशवासियों के शांति,सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की है। श्री मौर्य ने कहा कि नवरात्रि में माँ दुर्गा की आराधना मातृशक्ति के प्रति सनातन परम्परा के सम्मान का प्रतीक है।

उत्तर मध्य रेलवे	
 No. GEM/2026/४१7099९	
ई-निविदा सूचना	डिपॉक : 1६.1०.2०2६
भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियन्ता-I(जी.एस.यू./प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे) के अधीन निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदयें आमंत्रित किये हैं (द्वारा जेम चैटल टेकर)। बोली लगाने वाले अपने मुद्रा/संशोधित क्लैम स्थापित लिथि एवं समग्र तक मात्र जान कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और प्रारं प्रिन्सी लेवे मैनुअल क्लाय को नॉनअपेअबल कर दिया जाएगा।	
निविदा संख्या : GEM/2026/४१7099९	अनुमानित लागत : 27.५६ Lacs
कार्य का विवरण : महीने के आखर पर ऊँच और टैक्सी किचन पर लेने की सेवा -MUV; 2000 किमी x 300 घंटे प्रति दिन; अउट स्टेशन 24*7	
घरेलू धनराशि : 55०00.00	निविदा कार्य का मूल्य : 0.00/-
खुलने की तिथि : 07.11.202६ 19:00 Hrs.	कार्य समापन अवधि : २4 महीने
नोटः- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रश्न पत्र)तः https://www.geam.gov.in पर निदर्शित लिंक तक उपलब्ध रहेगा। 2. उपरोक्त सभी निविदयों में ई-बिड के अलावा किसी अन्य कार्य से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। 3. उपरोक्त हेतु वेबद्वारे की जाईट कि वे अपने अमक I.T.Ax-2000 के अगनरित CGA द्वारा जारी Class-II, Digital हस्ताक्षर प्रमाण-पत्र के साथ Gem की वेबसाइट पर पंजीकृत करवाये। 3. निविदा की बरे केवल डिजिटल हस्ताक्षरित काइमैसिजल रेट पेज पर ही विचारणीय है। बरे तथा अन्य क्रियेय प्रबर अन्य किसी भी फार्मैटेड हेड पर खडे संलग्न है वो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सहीी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न क्रिये जाने वाले सभी निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 5. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए Gem की वेबसाइट की हेल्पसाइन से सम्पर्क किया जा सकता है।	23९5/2६ (AS)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in CPRONCR	

यूजीसी नियमों के विरोध और सर्वर्ण समाज की मांगों को लेकर मथुरा की पांचों तहसीलों में निकलेगी सर्वर्ण न्याय यात्रा

30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक चलेगा अभियान, ईडब्ल्यूएस सरलीकरण और सर्वर्ण आयोग के गठन की भी उठेगी मांग

मथुरा। यूजीसी के संबंधित नियमों को वापस लेने सहित सर्वर्ण समाज की विभिन्न मांगों को लेकर 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक मथुरा जनपद में सर्वर्ण न्याय यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा का शुभारंभ यमुना मैया की पूजा–अर्चना के साथ होगा। इसके बाद जनपद की पांचों तहसीलों और पांचों विधानसभा क्षेत्रों के विभिन्न गांवों में पहुंचकर समाज के लोगों को जागरूक किया जाएगा। मथुरा के एक स्थानीय होटल में आयोजित प्रेसवार्ता में यात्रा के आयोजकों ने इसकी रूपरेखा और प्रमुख मांगों की जानकारी दी।

भारतीय क्षत्रिय सभा के संरक्षक डॉ. नवल सिंह, करणी सेना के प्रदेश सचिव कन्हैया ठाकुर और विष्णु सारस्वत सहित अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि सर्वर्ण न्याय यात्रा का उद्देश्य समाज की समस्याओं और मांगों को जन–जन तक पहुंचाने के साथ सरकार के समक्ष लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखना है। यात्रा के दौरान विभिन्न गांवों में लोगों से संवाद कर उन्हें अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

ये हैं प्रमुख मांगें
आयोजकों ने यूजीसी के संबंधित नियमों को वापस लेने, ईडब्ल्यूएस आरक्षण की पात्रता

और प्रक्रिया को सरल बनाने तथा सर्वर्ण समाज की समस्याओं के समाधान के लिए सर्वर्ण आयोग का गठन करने

संगठित रूप से सरकार तक पहुंचाया जाएगा।
पांचों तहसीलों के गांवों तक पहुंचेगी यात्रा



की मांग उठाई। इसके अलावा सभी वर्गों के बच्चों को समान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने की मांग भी शामिल है।

आयोजकों ने एससी–एसटी एक्ट में आवश्यक सुधार कर कानून के दुरुपयोग की आशंकाओं को रोकने तथा निष्पक्ष जांच और न्याय सुनिश्चित करने की मांग भी रखी। उनका कहना है कि यात्रा के माध्यम से समाज की इन मांगों को

विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास में अभिभावक–शिक्षक साझेदारी जरूरी

शिक्षक–अभिभावक बैठक में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर हुआ मंथन, 3000 से अधिक पुस्तकें बर्नी विद्यालय की शान

संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं विभिन्न प्रतियोगितात्मक गतिविधियों को प्राथमिकता दी जा रही है। विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, रचनात्मकता और 3000 से अधिक नई पुस्तकें प्राप्त हुई हैं। पुस्तकालय विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति रुचि विकसित करने और उनके ज्ञान के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता विकसित करने के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। पुस्तकालय में 3000 से अधिक नई पुस्तकें प्रधानाचार्य ने विद्यालय में विकसित किए जा रहे समृद्ध पुस्तकालय का उल्लेख करते हुए बताया कि यहां दान स्वरूप

शिक्षक–अभिभावक संवाद से सुधरेगी शैक्षणिक गुणवत्ता
डॉ. अखिलेश यादव ने कहा कि विद्यालय तभी श्रेष्ठ बनता है, जब शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी एक टीम के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने अभिभावकों से विद्यालय की विकास योजनाओं में सहयोग देने तथा बच्चों की प्रगति, उपलब्धियों और सुधार की संभावनाओं पर शिक्षकों के साथ नियमित संवाद बनाए रखने का आग्रह किया।

बैठक में शिक्षकों ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति और व्यवहार से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अभिभावकों के साथ चर्चा की। अभिभावकों ने विद्यालय में हो रहे सकारात्मक बदलावों की सराहना करते हुए विकास कार्यों में हرسंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यालय और अभिभावकों के बीच समन्वय को मजबूत करना तथा विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा, अच्छे संस्कार और उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करना रहा।

संवेदनाओं का प्रलेखन हैं रतन कुमारी की कहानियाँ: धनंजय चोपड़ा

प्रयागराज। कहानियां तभी सार्थक होती हैं, जब वे अपने समय और समाज की संवेदनाओं को कुछ इस तरह दर्ज करें कि वे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक जीवंत दस्तावेज बन जाएं। प्रो. रतन कुमारी की कहानिया इस कसौटी पर खरी उतरती हैं। वास्तव में रतन जी कहानियां अपने समय की विविध संवेदनाओं का ऐसा प्रलेखन है, जो पाठक को बहुत कुछ सहजने के लिए प्रेरित करता है। यह बात वरिष्ठ पत्रकार व लेखक डा धनंजय चोपड़ा ने कही। डॉ. चोपड़ा मंगलवार को वाणी प्रकाशन के तत्वावधान में प्रयागराज स्थित कार्यालय में प्रो. रतन कुमारी वर्मा के कहानी संग्रह श्रयोध्या से प्रयागराज वाया इलाहाबादश का लोकार्पण एवं परिचर्चा में बतौर मुख्य अतिथि अपनी बात रख रहे थे। डॉ. चोपड़ा ने कहा कि रतन जी की कहानियों की बड़ी बात यह है कि ये अपने समय के समाज को समझने का अवसर देती हैं। कई बार तो ऐसा लगता है कि इन कहानियों में हमारे अपने सरोकार भी शामिल हैं और यही लेखन की सफलता भी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार प्रो अनीता गोपेश ने कहा कि यह कहानी संग्रह अतीत के चलचित्र जैसा है जिसमें लेखिका के देखे अवध प्रान्त के पारंपरिक यथार्थ जीवन के अनुभवों का जीवंत दस्तावेज है। साथ ही पितृसत्तात्मक ग्रामीण समाज में स्त्रियों की स्थिति कितनी दयनीय थी,इसका भी सजीव चित्रण मिलता है। विशिष्ट वक्ता तथा पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग, आर्यकन्या शिक्षा–व्यवस्था और युवा सोच को दर्शाते हुए आगे बढ़ती हैं। साथ ही संयुक्त परिवार और सुखांतकी का सुंदर निदर्शन मिलता है। वरिष्ठ कवि विवेक सत्यांशु ने कहा कि रतन कुमारी वर्मा की अधिकांश कहानियां ग्रामीण परिवेश की हैं, जिनमें आजादी के बाद का परिदृश्य बहुत ही प्रभावशाली ढंग से चित्रित किया गया है। ग्रामीणों और किसानों की आवाज बनती ये कहानियां संग्रह को अधिक उपयोगी बनाती हैं। इस अवसर पर उपस्थित डा विनीता अग्रवाल, डा. नंदिनी मुखर्जी ने भी लेखिका को अनेकानेक शुभकामनाएं दीं और कहानी संग्रह की सराहना किया। अतिथियों का स्वागत वाणी प्रकाशन के योगेन्द्र यादव ने, संचालन डा प्रमा द्विवेदी एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो रतन कुमारी वर्मा ने किया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य नागरिक, साहित्यप्रेमी एवं अध्येतागण उपस्थित रहे।

मेले का संसार

(छप्पय)

मेले का संसार गुजब महफिल ले आई। जिसमें है बस शोर मगर लगती शहनाई। सजे हुए फुटपाथ आश का दीपक बनके। बाँट रहे मुरकान सभी को अपना कहके। कल की प्यारी भोर में जीत सकूँ मैं भूख को। भाव समझ सम्मान दो इनके इसी रसूख को।।

गुड़ के आगे फेल लगे जब चीनी सबको। आया है त्यौहार हमेशा लगता हमको। उत्सव अरु उत्साह गाँव का मेला बनके। ले आए हर चीज खरीदो भाई जमके। सतरंगी मिष्ठान हैं चाट पकौड़ी साथ में। गुड़ की बनी जलेबियाँ जन– जन के है हाथ में।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी लूकरगंज, प्रयागराज

टैलेंट शो का भव्य आयोजन

प्रयागराज में टैलेंट शो का भव्य आय प्रयागराज स नाइस फिल्म प्रोडक्शन के द्वारा आयोजित India's iconic talent show season 3.0 प्रयागराज ऑडिशन का भव्य आयोजन प्रियंका एकेडमी एंड स्टूडियो में किया गया। Guest of honour juri में आशीष शर्मा एवं special jury में डॉ आकांक्षा पाल को आमंत्रित किया गया। यह आयोजन अजीत श्रीवास्तव एवं कामिनी श्रीवास्तव के द्वारा किया गया। इस आयोजन में प्रयागराज एवं अन्य कई जगह से आए प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़ कर अपनी कला का प्रदर्शन



किया। इस टैलेंट शो का ऑडिशन भारत के कई हिस्सों में किया जाता है। जिसका ग्रैंड फिनाले जनवरी में होना सुनिश्चित हुआ है। निर्णायक के रूप में डॉ आकांक्षा पाल ने बहुत महत्वपूर्ण बातों से प्रतिभागियों को अवगत भी कराया उन्होंने कहा कि किसी भी टैलेंट शो में हम केवल यह नहीं देखे कि किसने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया बल्कि यह देखते हैं कि आत्मविश्वास कैसा रहा कला की समझ कितनी है अभ्यास और तैयारी कितनी है और साथ ही कलाकार अपनी प्रस्तुति के माध्यम से दर्शकों पर कितना प्रभाव छोड़ पता है साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि किसी भी प्रतियोगिता में जीतना महत्वपूर्ण होता है उसे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण होता है अपनी कला को अपने टैलेंट को पूरे समर्पण के साथ प्रस्तुत करना क्योंकि प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं होती उसे केवल एक सच्चे मंच और सही प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। इन्हीं शुभकामनाओं के साथआपने सभी प्रतिभागियों के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करते हुए आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया।

अप्रतिम साहित्य साधिका मीरा सिन्हाको साहित्य रत्न सम्मान से किया गया अलंकृत

साहित्यकार सत्कारः आपके द्वार योजना में साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज ने दिया सम्मान
प्रयागराज। प्रयागराज की सुप्रसिद्ध साहित्यकार अप्रतिम साहित्य साधिका मीरा सिन्हा को उनके सोहबतियाबाग स्थित आवास पर शनिवार को अपराह्न साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज द्वारा साहित्यकार सत्काररुआपके द्वार योजनान्तर्गत साहित्य– रत्न सम्मान से अलंकृत किया गया। साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज के व्यवस्थापक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय के संचालन में हुए इस सम्मान समारोह की अध्यक्षता सुल्तानपुर की साहित्यकार



रचना शिवपुरी ने किया और मुख्य अतिथि साहित्य रत्न मीरा सिन्हा रही। उल्लेखनीय है कि प्रकाशन द्वारा प्रति महीने एक वरिष्ठ साहित्यकार को साहित्य–रत्न सम्मान से अलंकृत किया जाता है। साहित्यांजलि प्रभा पत्रिका के उप सम्पादक डॉ योगेंद्र कुमार मिश्र विश्वबंधु द्वारा स्वागत उद्बोधन के पश्चात, सहसंपादक रवीन्द्र कुशवाहा एवं डॉ राममुख यादव, शम्भू नाथ श्रीवास्तव शम्भु, विवेक सत्यांशु, रचना शिवपुरी (सुल्तानपुर) ने संयुक्त रूप से मुख्य अतिथि मीरा सिन्हा को साहित्य रत्न सम्मान में पुष्पगुच्छ, सम्मान पत्र, प्रतीक चिन्ह ट्रॉफी की और अंगवस्त्र तथा मोती माला से अलंकृत किया। इसके पश्चात रचना शिवपुरी को भी साहित्यांजलि प्रकाशन द्वारा साहित्य भारती सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर साहित्यांजलि प्रभा पत्रिका मीरा सिन्हा विशेषांक का लोकार्पणकर उन्हें समर्पित किया गया। उपस्थित सभी रचनाकारों ने अपनी बहु–विध रचनाओं का सस्वर काव्य पाठ करके आयोजन को गरिमानय बनाया। आभार प्रकट करते हुए डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय ने सभी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त किया।

ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वरोजगार का बढ़िया माध्यम बना होमस्टे

लखनऊ,संवाददाता। होम स्टे ग्रामीण पर्यटन प्रदेश की महिलाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार का नया माध्यम बन रहा है। होमस्टे के जरिये महिलाएं पर्यटकों को उठरने की सुविधा देने के साथ पारंपरिक भोजन, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों की बिक्री से भी कमाई कर रही हैं। गांवों में पर्यटन का लाभ स्थानीय परिवारों तक पहुंच रहा है। प्रदेश में होमस्टे और बेड एंड ब्रेकफास्ट व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी एक–तिहाई से अधिक हो गई है। पर्यटन विभाग का लक्ष्य 50 हजार नए होमस्टे कमरे जोड़ने का है।

विमर्श

सम्पादकीय.....

देशभक्ति, स्टारलिंक और एकाधिकार

एयरपोर्ट के कूड कोर्ट में वेटर ने पूछा, 'सर, क्या आप अपनी कॉफी के साथ कुछ और लेना चाहेंगे?' मैंने कहा, 'हां, एक छोटा-सा लोन दे दीजिए।' वह मुस्कुरा दिया। मैंने समझाया, 'मैंने पार्किंग के पैसे तो पहले ही भर दिए हैं। अगर मैं आपका सैंडविच भी खरीद लूं, तो शायद मेरे बच्चों की पढ़ाई ही छूट जाएगी।' एक समय था जब हम एयरपोर्ट पर हवाई जहाजों को उड़ान भरते देखने जाते थे। आजकल, हम अपनी बचत को भी उसी तरह 'उड़ते' हुए देखते हैं। और नहीं, जब मैं 'मोनोपोली' (एकाधिकार) की बात कर रहा हूं, तो मेरा मतलब बोर्ड गेम से नहीं है। कम से कम उस गेम में तो हर कोई कुछ पैसों के साथ शुरुआत करता है। जरा उन सुविधाओं पर नजर डालिए जो कभी सरकार चलाती थी और अब निजी हाथों में हैं। हमसे 'दक्षता' का वादा किया गया था। बहुत बढ़िया! लेकिन क्या कोई समझा सकता है कि इस 'दक्षता' का मतलब मेरी जेब को पूरी तरह खाली कर देना क्यों है? 'सर, प्रीमियम सुविधाओं हैं।' 'मैंने तो बस अपनी कार पार्क की थी।' क्या आपने उसे कोई मसाज दी है?' निजी कंपनियों बेशक सेवाओं में सुधार कर सकती हैं लेकिन किसी सार्वजनिक सुविधा को निजी हाथों में सौंप देने से अपने आप प्रतिस्पर्धा पैदा नहीं हो जाती। नीलामी के समय तो कई बोली लगाने वालों के पास विकल्प हो सकते हैं लेकिन एक बार कॉन्ट्रैक्ट मिल जाने के बाद, ग्राहक के पास क्या विकल्प बचता है? इसी बात से मुझे स्टारडिस्कलक को लेकर हो रहे देशभक्तिपूर्ण विरोध की याद आती है। कुछ लोग इसे बाहर रखने की बात कर रहे हैं, उनका तर्क है कि कोई विदेशी कंपनी हमारे 'घर' (बाजार) में घुस रही है। सरकार का कहना है कि तीनों लाइसेंस प्राप्त सेटोलाइट ऑपरेटरों का सुरक्षा मूल्यांकन किया जाएगा। यह ठीक है, नियमों को सख्ती से और सबके लिए समान रूप से लागू करें लेकिन देशभक्ति को किसी के बिजनैस साम्राज्य के बाहर तैनात 'सिक्योरिटी गार्ड' नहीं बन जाना चाहिए। 'कौन आ रहा है?' 'एक प्रतियोगी।' 'देश के लिए खतरा।' 'और ग्राहक का क्या?' 'उसे तो बस गर्व महसूस करने का निर्देश दिया गया है।' मुझे कहीं ज्यादा गर्व होता अगर मेरा इंटरनेट तब भी काम करता, जब पूरा परिवार मेरे फाई-फाई से जुड़ा जाता। याद है, जब सड़कों पर एंबेसेडर और किएए कारों का बोलबाला हुआ करता था? कार खरीदने के लिए पैसे और धैर्य के साथ-साथ, एक ऐसे मैकेनिक से अच्छे रिश्ते की भी जरूरत होती थी, जो कभी-कभी आपकी शादी से भी ज्यादा लंबे समय तक आपका साथ निभाता था! गाड़ी खड़खड़ाती थी। दरवाजे खुलते समय आवाज करते थे। इंजन स्टार्ट होने से पहले मानो आपस में कोई मीटिंग करता था कि आज चालू होना है या नहीं। हम इसे ही देशभक्ति कहते थे, जबकि वह कार किसी रोडरोलर की तरह रेंगती हुई आगे बढ़ती थी। फिर और निर्माता आए तथा अचानक ग्राहकों को एक हेरान करने वाली बात पता चली। उनके पास चुनने का विकल्प था। निर्माताओं को बेहतर काम करना पड़ा, क्योंकि ग्राहक किसी दूसरे शोरूम में जा सकते थे। प्रतिस्पर्धा की यही खूबी है। यह कारोबारियों को यह याद रखने के लिए प्रेरित करती है कि ग्राहकों के पास चलने-फिरने के लिए पैर हैं। अब, स्टारलिक कोई ऐसी खेरात नहीं है जो आसमान से मुफ्त इंटरनेट लेकर उतरी हो। इसकी कीमतें भी ऐसी होनी चाहिएं, जिन्हें हम स्वीकार कर सकें। न तो कोई भारतीय अरबपति और न ही कोई अमरीकी अरबपति ऐसा है, जिसके प्रति हमें बिना सोचे-समझे समझत हो जाना चाहिए। उन्हें हमारे ग्राहकों के लिए आपस में मुकाबला करने दें। भारतीय कंपनियों को भारतीयों की बेहतर सेवा करके और मजतूर होने दें। और कृपया नागरिकों से यह कहना बंद करें कि वे राष्ट्रीय ध्वज लहराकर किसी कंपनी की बैलेंस शीट बचाएं। देशभक्ति का मतलब यह होना चाहिए कि हम अपने लोगों के लिए सबसे अच्छा चाहते हैं-सही कीमतें, भरोसेमंद सेवाएं और चुनने के लिए असली विकल्प। किसी देश की महानता इस बात से नहीं मापी जा सकती कि कुछ भारतीय कारोबारी कितनी चौन की नींद सोते हैं, जबकि लाखों लोग अपने बिलों की चिंता में डूबे रहते हैं। और कंपनियों को आने दें। प्रतिस्पर्धा होने दें। और जब कोई चिल्लाकर कहे, 'इसे देश के लिए खरीदो!' तो विनम्रता से पूछें, 'क्या इसका मुनाफा देश को मिलेगा, या सिर्फ किसी भारतीय अरबपति को?'

प्रो. दरबारी लाल

एक सर्वे के अनुसार वर्तमान लंबित मुकद्दमों से निपटने के लिए कम से कम 500 वर्ष लगेंगे जबकि औसतन भारतीय की आयु 68 वर्ष है।

नशों का संताप भोगता पंजाब

कुलदीप सिंह काहलौं
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह
ने भाजपा की 'नशा मुक्त पंजाब
यात्रा' के समापन पर जालंधर
में 30 सितम्बर, 2026 को
सार्वजनिक तौर पर यह घोषणा
की कि उनकी पार्टी 31 दिसम्बर,
2029 तक पंजाब को 'चिट्ठा'
मुक्त कर देगी। इसी तरह कुछ
अन्य राजनीतिक पार्टियां,
सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं
भी नशे के विरुद्ध निर्णायक
कार्यों में जुटी हुई हैं। श्री
अकाल तख्त साहिब के
कार्यकारी जत्थेदार कुलदीप
सिंह गडगज्ज ने 'मीरी पीरी
खालसा मार्च' के दौरान नशे
की रोकथाम के लिए विशेष
रूप से गांवों में प्रचार करते
हुए नशा पीड़ितों को दुकारने
की बजाय सहानुभूति के साथ
सुधार की जरूरत पर जोर
दिया। अफसोस की बात तो
यह है कि अनेक प्रयासों के
बावजूद देश भर में, खास तौर
पर पंजाब में शायद ही कोई
ऐसा दिन बीतता हो, जब नशे
के सेवन के कारण युवाओं की
मौतें, आत्महत्याएं, हत्या,
लूट-खसूट, गैंगस्टरवाद और
बिगड़ती कानून-व्यवस्था से
जुड़े चिन्तन को कांड सामने न
आते हों। 4 अक्टूबर को अंग्रेजी
के एक राष्ट्रीय स्तर के अखबार
में नशे के संबंध में बठिंडा से

भारतीय न्यायिक व्यवस्था बेहिसाब खर्चीली, बेहद पेचीदा, आधुनिक प्रगतिशील और प्रतिस्पर्धात्मक युग में देशवासियों का अनावश्यक कीमती समय बर्बाद करने वाली, शरीर और पूरी तरह थका देने वाली और मानसिक बेचैनी और परेशानियों से संतुलन बिगाड़ने वाली तथा विकसित समाज के रास्ते में एक बड़ी रुकावट है। यह बेदरदानी नवाबी नजरिया फरियादियों के लिए निहायत अनिराशाजनक, अफसोसनाक और हैरतअगेज ही नहीं, बल्कि समूचे समाज के लिए अव्यवस्थित, अकथनीय और अत्यधिक परेशानियों का स्रोत बन चुका है, जो समूची व्यवस्था के लिए तौर-तरीकों पर ही प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। तारीख पर तारीख की संस्कृति न्याय के इच्छुक लोगों के जज्बातों को भी मजूरह करती है। स्वतंत्रता के पश्चात संविधान लागू होने से अब तक (1950-2026), भारत की सभी अदालतों में 5 करोड़ 49 लाख के करीब मुकद्दमे विचाराधीन हैं, इनमें से लई केस 10 से 30 वर्षों से लटक चुके हैं और कई लोग न्याय की इंतजार में

अल्लाह मियां को प्यारे हो चुके हैं। अब उनकी दूसरी पीढ़ी इंसाफ पाने के लिए ठोकरें खा रही है। हकीकत में भारत में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 100 करोड़ लोग बुरी तरह प्रभावित हैं। जबकि भारत का कुल आबादी 1 अरब 45 करोड़ है। इतनी भारी संख्या में लंबित मान्यत्व के शाह्य ही किसी आमले देश में हों। एक सर्वे के अनुसार वर्तमान लंबित मुकदमों से निपटने के लिए कम से कम 500 वर्ष लगेंगे जबकि औसतन भारतीय की आयु 68 वर्ष है। अगर इसी धीमी गति से व्यवस्था चलती रही तो जीवित व्यक्तिको लिए न्याय पाना मुश्किल ही नहीं, बल्कि नामुमकिन हो जाएगा। विश्वक के 10 छोटे देशों की इतनी आबादी नहीं, जितने भारत में न्यायालयों में मुकद्दमे दर्ज हैं चीन में 4 करोड़ 60 लाख के प्रति वर्ष न्यायालयों में दर्ज होते हैं, जिनमें से 99 प्रतिशत केसों का 1 वर्ष में निपटारा कर दिया जाता है, जबकि चीन आबादी 142 करोड़। विश्वक के सबसे शक्तिशाली और प्रजातांत्रिक देश अमरीका में 3.98 करोड़ के करीब दीवानी

केस हर वर्ष दाखिल होते हैं।
जिन पर बड़ी तेजी से फैसेल
लिए जाते हैं, केवल फौजदारी
मुकदमों में देरी होती है।
अमरीका की आबादी 35 करोड़
के करीब है। मुकदमों के शी
निपटारे से जहाँ लोगों का समय
और धन बचता है, वहीं दूसरी
तरफ आध्यक विकास में
आश्चर्यजनक इजाफा होता है।
यदि अमरीका और चीन में करोड़ों
मुकदमों का 1 वर्ष में फैसला
किया जा सकता है, तो भारत
में क्यों नहीं? इस समय केवल
सुप्रीम कोर्ट में 26,979 याचिकाएँ
पड़ी हैं और देश की हाईकोर्टों
में इनकी संख्या कई हजारों में
है। इन याचिकाओं को निजी
स्वार्थ, धन लोलुपता या
बदलाखोरी के लिए दुरुपयोग
किया जाता है। न्यायपालिका
में केवल 11.8 प्रतिशत
याचिकाओं को स्वीकृति प्रदान
की जाती है, जबकि 88.2
प्रतिशत को खारिज कर दिया
जाता है। ताज्जुब यह है कि
स्वीकृत याचिकाओं में भी 61
प्रतिशत खारिज हो जाती हैं।
यह याचिकाएं केवल न्यायालय
पर गैर जरूरी बोझ ही नहीं
बल्कि लोगों के लिए भी अत्या
क परेशानियाँ पैदा होती हैं।

कई बार सत्ता पक्ष के नेता अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को रास्ते से हटाने के लिए झूठ और बेबुनियाद केस डाल देते हैं, जिनके फैसले में पूरा जीव-इंतजार करना पड़ता है सरकार को बंद ज्यूरी ट्रायल कोर्ट्स पुनरुद्धार करना चाहिए ताकि जल्द फैसले किए जा सकें। कुल मुकदमों में प्रतिशत तलाक के मामले कम हैं जिन्हें बड़ी आसानी से दफा समय में निपटाया जा सकता है, जबकि भारत में इन केसों को निपटाने के लिए 10 से 15 साल लग जाते हैं। भारत के एक प्रदेश के मुख्यमंत्री को तलाक लेने में 17 वर्ष लगे विकसित देशों में इन केसों को कुछ ही महीनों में फैसला कर दिया जाता है। मुकदमों में देश और पेंचीदगियों के कारण न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता कम हो रही है, जिसे दुरुस्त करना समय की जरूरत है अमरीका में 10 लाख आबादी पर 130 न्यायाधीश हैं, चीन में 300, जबकि भारत में केवल 15 हैं। लंबित मामलों का निपटारा करने के लिए सरकार को अतिशय न्यायाधीशों के खाली पद भरने चाहिए और जरूरत

के अनुसार इनकी संख्या में वृद्धि करनी चाहिए। कई प्रदेशों की सरकारें दीवानी केंसों को अपने स्तर पर निपटाने की बजाय लोगों को कोर्ट में जाने के लिए मजबूर कर देती हैं जिससे न्याय पालिका में मुकदमों की तादाद तीव्र गति से बढ़ती रहती है। केंद्र सरकार को सभी प्रादेशिक सरकारों को सख्त हिदायत देनी चाहिए ताकि वे उन केंसों का अपने अधिकारियों के जरिए निपटारा करें, समय की बर्बादी से बचें और लोगों कोर्टों में ठोकें खाने से निजात पा सकें। सभी प्रकार के न्यायिक कामलों के लिए समय निश्चित किया जाए और माननीय न्यायाधीशों को जिम्मेदारी और जवाबदेही की व्यवस्था में लाया जाए। भारतीयों के लिए यशो गर्व का विषय है कि माननीय न्यायाधीश योग्य, कार्यकुशल और अपने फैसलों के लिए विश्व में विशेष स्थान रखते हैं, परंतु लंबित मामले समाज के लिए अति दुखदायी हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री लार्ड ग्लैडस्टोन ने लोगों की न्यायिक परेशानियों पर संसद में अपने भाषण में कहा था 'हकीकत में न्याय में देरी न्याय से ही इंकार है।'

शक्ति आराधना में महाष्टमी पूजन का महत्व और नारी

आज जहाँ चारों तरफ नारी सुरक्षा को लेकर हाहाकार मचा है, हम सनातनी माँ के नौ स्वरूपों की पूजा कर नवरात्रि का पर्व मना रहे हैं। नवरात्रि देवी की उपासना और शक्ति पूजा का त्योहार है। हम इसे मनाते नहीं, अपितु मानते हैं। फिर भी ये कैसे विडंबना है कि जिसे हम मानते हैं, उसे ही अपने आचरण में उतार नहीं पा रहे हैं। भारतीय सनातन परंपरा में शक्ति की आराधना केवल देवी की उपासना नहीं, बल्कि जीवन में साहस, विवेक, करुणा और आत्मबल को जागृत करने की साधना है। नवरात्रि के नौ दिन इसी साधना के नौ सौपान हैं, और महाष्टमी इस साधना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह वह पावन तिथि है, जब हम आदिशक्ति के प्रति अपनी श्रद्धा समर्पित करते हुए अन्धाय पर न्याय, अज्ञान पर ज्ञान और दुर्बलता पर आत्मबल की विजय का संकल्प लेते हैं। माँ से अपने लिए रूप, जय, यश मांगते हैं और शत्रु स्वरूप काम और क्रोध आदि का नाश करने के लिए कहते हैं। फिर अपनी ही दोनों इच्छाओं, मांगों पर हम अपना ही संयम क्यों खोते जा रहे हैं?

क्या अपनी क्षमताओं का उपयोग परिवार, समाज और राष्ट्र के हित में करना भी शक्ति की आराधना का एक व्यावहारिक रूप नहीं है? बिल्कुल है, तो इसी स्वीकारोक्ति के साथ महाष्टमी पूजन को एक बार फिर समझिए और नारी शक्ति की महिमा को इस तरह स्वीकार कीजिए कि नई सृष्टि की संरचना में आप शक्ति के साथ शिव की तरह स्वयं को प्रस्तुत कर सकें। हमारे सारे कर्म यदि स्वहित के साथ लोकहित के भाव से जुड़ जाएं तो ही सही मायने में इस कलयुग को भी हम अपने जीवित रहने योग्य बना सकेंगे। लोककल्याण की भावना से ही मां ने कभी शस्त्र उठाकर दुष्टों का संहार किया तो कभी संहार रोकने के लिए भगवान शिव को भी दूत बनाकर भेजा। इस तरह से भगवती ने हमें यही बताने का प्रयास किया है कि अपनी शक्ति का प्रयोग भी यथासंभव संयम के साथ किया जाना चाहिए। ऐसे प्रसंगों को पढ़ते — सुनते समय भी यदि हमारी चेतना जागृत नहीं होती तो नवरात्रि के नौ दिनों में देवी आराधना की परम्परा का निर्वहण निरर्थक है। कन्या पूजन की साधकता भी इसी व्यापक दृष्टि में निहित है। देवी के रूप में कन्या का पूजन करने के साथ-साथ बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वतंत्रता और सम्मान की रक्षा करना हमारे सामाजिक आचरण का हिस्सा होना चाहिए। इस रूप में ही हम स्वयं को देवी उपासक कह सकते हैं और नवरात्रि के नौ दिनों को विशेष बता सकते हैं।

महाष्टमी पूजन का धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्त्व: नवरात्रि के आठवें दिन मनाई जाने वाली दुर्गाष्टमी अथवा महाष्टमी में दुर्गा की उपासना का विशेष दिन है। शरद्वर्ष और चैत्र नवरात्रि, दोनों में इसका विशेष महत्त्व है। देवी उपासना की परंपरा में माँ दुर्गा को उस आदिशक्ति के रूप में देखा जाता है, जो सृष्टि का सृजन करने वाली, उसका पालन करने वाली और आवश्यकता पड़ने पर अधर्म का विनाश करने वाली हैं। देवी माहात्म्य अर्थात् दुर्गा सप्तशती में वर्णित महिषासुरमर्दिनी का स्वरूप इसी शक्ति का प्रतीक है। महिषासुर का वध केवल एक पौराणिक युद्ध की कथा नहीं है, बल्कि अहंकार, अत्याचार और अनियंत्रित आसुरी प्रवृत्तियों पर विजय का संदेश भी है। यहां माँ जैसे सभी नारी शक्ति को अपने अंदर साहस भरने और स्वयं को सामर्थ्यवान रूप में प्रस्तुत करने को कहा रहती है। महाष्टमी हमें याद दिलाती है कि शक्ति का वास्तविक अर्थ केवल सामर्थ्य या पराक्रम नहीं है। शक्ति का अर्थ हैकृपअपने भीतर के भय को जीतना, सत्य के पक्ष में खड़े होना। नवरात्रि की नवदुर्गा परंपरा में आठवें दिन माँ महागौरी की पूजा की जाती है। उनका गौरवर्ण, श्वेत वस्त्र और शांत स्वरूप पवित्रता, शांति, निर्मलता तथा आत्मशुद्धि का प्रतीक माना जाता है। जहाँ माँ दुर्गा का उग्र रूप अधर्म के विनाश का संदेश देता है, वहीं महागौरी का स्वरूप यह समझाता है कि शक्ति का अंतिम उद्देश्य मनुष्य के जीवन में शांति, पवित्रता और संतुलन स्थापित करना है। महागौरी की आराधना का आध्यात्मिक आशय है कि मनुष्य अपने मन के विकारों से कटुता, ईर्ष्या और अहंकार को त्यागकर निर्मल चेतना की ओर अग्रसर हो। शक्ति का एक रूप अन्याय का प्रतिरोध है, तो दूसरा रूप अपने भीतर के अंधकार का परिष्कार। महाष्टमी इन दोनों साधनाओं का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करती है।

महाष्टमी का संदेश रु शक्ति और करुणा का संतुलन
ध्वेते वृषे समारुढा श्वेताम्बर धरा शुचिः,

महागौरी शुभं दद्यान्महादेव प्रमोददा ।४

शक्ति को केवल उग्रता या पराक्रम के रूप में देखना अधूरा दृष्टिकोण है। भारतीय दैवीय परंपरा में शक्ति के अनेक रूप हैं वृद्धा दुर्गा का साहस, महागौरी की निर्मलता, सरस्वती का ज्ञान और लक्ष्मी की समृद्धि। इन सभी रूपों का समन्वय हमें बताता है कि एक संतुलित समाज के लिए शक्ति के साथ विवेक, साहस के साथ करुणा और अधिकार के साथ उत्तरदायित्व भी अपेक्षित है। माँ दुर्गा के हाथों में धारण किए गए विविध अस्त्र-शस्त्र प्रतीकात्मक रूप से यह संदेश देते हैं कि जीवन की विभिन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए अलग-अलग गुणों की आवश्यकता होती है, लेकिन उन क्षमताओं का उद्देश्य लोकमंगल होना चाहिए। वर्चस्व स्थापित करना नहीं। किसी भी तरह के अन्वृत्ति एवं अनैतिक अतिवाद से बचने को सचेत करती है महाष्टमी।

—संगीता 'सुमन' प्रयागराज उप्र

छात्र आंदोलनों की कसौटी उनका अंतिम परिणाम ही होता है

मनीष तिवारी

जून 2026 से छात्रों और उनके संगठनों द्वारा देश भर में किए गए हालािया विरोध प्रदर्शनों ने सरकारों के कड़े रुख के सामने मेलकर, एक बार फिर छात्र आंदोलनों और उनके परिणामों पर ध्यान केंद्रित किया है। इसलिए छात्र संगठनों और आंदोलनों को संक्षिप्त इतिहास पर नजर डालना समीचीन होगा। 1960 के 990 के दशकों में दुनिया भर में छात्र आंदोलन देखे गए। भारत में भी छात्रों द्वारा कई आंदोलन चलाए गए, जिनमें से कुछ र्मनिरपेक्ष थे और कुछ सामंदायिक या भाषाई। 1968 के पैरिस छात्र विद्रोह ने यूरोप के युवाओं की कल्पना को झकझोर कर रख दिया। इसने 'यथास्थिति' में बदलाव के लिए युवाओं की तत्वा प्रतीतिशिव्ल्थि। इसने वामपंथी राजनीति, युद्ध-विरोध, वाचना, नागरिक अधिकारों पर जोर और एक ऐसी जवाबी संस्कृति को मुख्यधारा में ला खड़ा किया, जिसने 1970 के दशक के अहिंसी आंदोलन में अपनी अभिव्यक्ति पाई। पैरिस में यह उमााग सिंप्रग, चौकोस्लोवाकिया में स्वतंत्रता की एक संक्षिप्त खेड़की, के साथ मेल खाता था। यह कम्युनिस्ट कुशासन के खिलाफ 1956 में हंगरी में हुई क्रांति के 12 साल बाद आया था। नए दनों विरोध प्रदर्शनों को तत्कालीन सोवियत संघ द्वारा अपनी-अपनी राजधानियों में सोवियत टैंक उतारकर बेरहमी से कुचल दिया गया था। मैक्सिको, ब्राजील, अर्जेंटीना से लेकर चेले की तू पूरे लैटिन और दक्षिण अमरीकी महाद्वीप में 1960 और 70 के दशक में छात्रों ने विश्वविद्यालय स्वायत्तता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, पुलिस दमन और सैन्य तानाशाही जैसे मुद्दों पर अपनी-अपनी सरकारों के खिलाफ रैलियां कीं और रोष प्रकट

किया। एशियाई परिसर भी अमरीकी साम्राज्यवाद के खिलाफ सुलग रहे थे। स्वतंत्रता के बाद के भारत ने चार बड़े छात्र आंदोलन देखे, जिनके चार बेहद अनोखे परिणाम सामने आए। 1965 में तमिलनाडु में हिंदी विरोधी आंदोलन को सी.एन. अन्नादुराई, मधुवेल करुणानिधि (कलैंगनार) और तमिल बौद्धिक



और सांस्कृतिक समुदाय के अन्य प्रमुख व्यक्तियों का समर्थन प्राप्त था। इसके परिणामस्वरूप तत्कालीन कांग्रेस सरकार को बेदखल हुई और एक 'द्रविड़ द्वैध शासन' की स्थापना हुई, जिसे 6 दशक बाद 2026 के विधानसभा चुनावों में अभिनेता सी.

जोसेफ विजय की जीत ने ही तोड़ा। इसके विपरीत, उत्तर भारत में 'अंग्रेजी हटाओ आंदोलन' नामक अंग्रेजी-विरोधी आंदोलन ने, जिसे डा. राम मनोहर लोहिया और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे का समर्थन प्राप्त था, समाजवादियों और दक्षिणपंथियों को एक साथ ला खड़ा किया। इसने 1967 के राज्य विधानसभा



चुनावों में पहली संयुक्त विधायक दल सरकारों के गठन का मार्ग प्रशस्त किया। 1974 में गुजरात के नवनिर्माण आंदोलन ने चिमनभाई पटेल सरकार को बाहरी का रास्ता दिखा दिया। यह जल्द ही जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व वाले संपूर्ण क्रांति आंदोलन में तबदील हो गया। इसके बाद 1975 में आपातकाल और फिर 1977 में जनता पार्टी की सरकार की स्थापना हुई। 1980 के दशक में ऑल-असम स्टूडेंट्स यूनियन (ए.ए.एस.यू.) द्वारा बंगलादेश से आए प्रवासियों के खिलाफ एक शक्तिशाली आंदोलन चलाया गया।

जिसने ऑल असम गण संग्राम परिषद (ए.जी.एस.यू.) का गठन किया। 15 अगस्त, 1985 के असम समझौते के बाद इसने असम गण परिषद (ए.जी.पी.) की सरकार को अस्तित्व में ला दिया। 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशों के खिलाफ आंदोलन के

दौरान 63 से अधिक छात्रों ने आत्मदाह कर लिया और पुलिस फायरिंग में 50 से अधिक मारे गए। इसके कारण विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार सत्ता से बाहर हो गई। भारतीय अर्थव्यवस्था के वैश्वीकरण, उदारीकरण और वाशिंगटन सहमति के साथ-साथ इसके संरेखण ने युवाओं के लिए कई नए रास्ते खोल दिए। अब पारंपरिक पेशे और राष्ट्रीय राजनीति के प्रवेश द्वार के रूप में छात्र राजनीति ही बौद्धिक रूप से चुनौतीपूर्ण, भौतिक रूप से संतोषजनक या सार्वजनिक मंचों पर दृश्यता प्रदान करने वाले करियर का एकमात्र साधन नहीं रह गई थी। 1992 में केबल और साटेलाइट टेलीविजन के आगमन के साथ निजी उद्यमों में लिए प्रसाशन क्षेत्र के खुलने ने उन युवाओं को एक मंच प्रदान किया, जो सार्वजनिक क्षेत्र में अपनी आवाज और पहचान दोनों की चाह रखते थे। 1991 के बाद के भारत द्वारा पेश किए गए नए अवसरों के मद्देनजर करियर को लेकर सजगता मुख्य प्रेरक शक्ति बन गई। छात्र अब छात्र राजनीति को समय की बर्बादी मानने लगे हैं और शायद सही भी। 1980 और 90 के दशक में एन.एस.यू.ए. के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बाद में इंटरनैशनल यूनियन ऑफ स्टूडेंट्स (आई.यू.एस.) के अध्यक्ष के रूप में, मैंने इन बदलावों का वास्तविक समय में घटते देखा है। ये ऐसे रुझान हैं जो पिछले साढ़े 3 दशकों से लगातार कायम हैं। क्या नीट और एस.आई.आर. पर छात्रों और युवाओं का यह नवीनतम रोष इस गैर-राजनीतिक ढांचे को तोड़ पाएगा, इस पर फ़ैसला अभी बाकी है। किसी भी आंदोलन की कसौटी उसका अंतिम परिणाम ही होता है। सड़क पर केवल शक्ति प्रदर्शन के रूप में लामबंदी महज आत्म-संतुष्टि है।



कोटा की पुलिस अधीक्षक (एसपी) तेजस्वनी गौतम ने सोमवार को बताया कि बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ से जुड़ी फायरिंग की घटना के तीन आरोपियों हरियाणा के रेहान उर्फ सुक्का, बिहार के ऋतिक कुर्मी उर्फ रोशन और एक नाबालिग को मुंबई पुलिस को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पुलिस को सुबह सूचना मिली थी कि ये तीनों मुख्य संदिग्ध ट्रेन से यात्रा कर रहे हैं और उनके कोटा पहुंचने की संभावना है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोटा की एसपी ने कहा, ..आज सुबह हमें सूचना मिली, जिसके बाद हमने अपनी टीम को सक्रिय कर दिया। हमें पता चला कि फायरिंग में शामिल तीनों मुख्य संदिग्ध ट्रेन से आ रहे हैं और कोटा पहुंचने वाले हैं। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए, हमारी टीम ने महज 15 मिनट के भीतर जाल बिछाया और पूरी ट्रेन की सघन तलाशी ली। उन्होंने आगे कहा, कोटा सिटी पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई के जरिए हमने फायरिंग के लिए जिम्मेदार तीनों संदिग्धों को पकड़ लिया है। हम जल्द ही इन संदिग्धों को मुंबई पुलिस को सौंप देंगे। इन तीनों व्यक्तियों के नाम हैं, हरियाणा के सोनीपत का रहने वाला रेहान उर्फ सुक्का, बिहार के बेगूसराय

‘कबूतर’ में नवाजुद्दीन सिद्दीकी का दिखेगा अनदेखा अंदाज, इशान शर्मा की पहली फिल्म में निभाएंगे स्ट्रीट डिटेलिव्ह का किरदार

भारतीय सिनेमा के जाने–माने अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी अब लेखक–निर्देशक इशान शर्मा की पहली फीचर फिल्म ‘कबूतर’ में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण निखिल चौधरी की कंपनी एमडीसी फिल्मवर्क कर रही है। यह भारत, फ्रांस और नॉर्वे के बीच एक अंतरराष्ट्रीय सह–निर्माण है, जिसमें भारत की एमडीसी फिल्मवर्क , फ्रांस की और नॉर्वे की कंपनी शामिल हैं। भारतीय पक्ष से रोहित सक्सेना सह–निर्माता की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की मुख्य शूटिंग 2027 की शुरुआत में दिल्ली में शुरू होने वाली है। फिल्म की शूटिंग 2027 की शुरुआत में दिल्ली में शुरू होगी। इसकी कहानी पुरानी दिल्ली की जर्जर होती इमारतों और वहां की अनूठी दुनिया की पृष्ठभूमि पर आधारित है। पुरानी दिल्ली की जर्जर होती इमारतों और उसकी परतदार दुनिया की पृष्ठभूमि पर बनी ‘कबूतर’ की कहानी महबूब नाम के एक सड़कछाप जासूस के इर्द–गिर्द घूमती है। महबूब गुप्त रूप से जिन्म के नाम लिखे गए खत पढ़ता है, ताकि संभावित ग्राहक तलाश सके। इसी दौरान उसकी मुलाकात नाओंको से होती है, जो जापान से आई एक पर्यटक है और अपने अतीत के दर्द से जूझ रही है। कहानी में रुबी नाम का एक छोटा बच्चा भी है, जो अपने माता–पिता की तलाश में है। फिल्म में अनोखेपन, भावनात्मक गहराई और मानवीय अनुभवों के विरोधाभासों को एक अलग अंदाज में पेश किए जाने की उम्मीद है। इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपने अभिनय का एक नया पहलू दिखाते नजर आएंगे। नवाजुद्दीन सिद्दीकी को फिल्म में मुख्य भूमिका के लिए चुने जाने पर निर्माता निखिल चौधरी ने कहा, “नवाज असाधारण अभिनय क्षमता वाले कलाकार हैं। वह ‘गैंग्स ऑफ वासेपुर’ में खतरनाक नजर आ सकते हैं, तो ‘द लंचबॉक्स’ में उनका अभिनय दिल को छू लेने वाला और बेहद कोमल हो सकता है। वह उन चुनिंदा भारतीय अभिनेताओं में से हैं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मजबूत पहचान है। उनकी फिल्में कई बार कान फिल्म महोत्सव तक पहुंची हैं और उन्हें इंटरनेशनल एमी के लिए भी नामांकित किया गया है। भारत–फ्रांस–नॉर्वे के सह–निर्माण वाली फिल्म ‘कबूतर’ को दुनियाभर



रविवार शाम जुहू में अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर अज्ञात लोगों द्वारा फायरिंग किए जाने के बाद, मुंबई के बांद्रा इलाके में अभिनेता सलमान खान के आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सलमान के गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर बुलेटप्रूफ जैकेट पहने पुलिसकर्मी और पुलिस की गाड़ियां देखी गईं। पुलिस के अनुसार, रविवार शाम करीब 7 बजे, जब टाइगर श्रॉफ जुहू के एक फुटबॉल क्लब से निकल रहे थे, तब अज्ञात लोगों ने उनकी

का रहने वाला ऋतिक कुर्मी उर्फ रोशन, जो पिछले कुछ वर्षों से महाराष्ट्र के मुंबई में रह रहा था और एक नाबालिग। हमने इन तीनों को पकड़ लिया है और अब हम इन्हें मुंबई पुलिस को सौंप देंगे। एसपी तेजस्वनी गौतम ने यह भी पुष्टि की कि शुरुआती जांच से पता चला है कि हमलावर गैंगस्टर अनिल पंडित से जुड़े थे, जो लॉरेंस बिश्नोई से जुड़ा हुआ है। अभी तक हथियार नहीं मिले हैं। हालांकि, उनसे पूछताछ की जाएगी कि उन्होंने हथियारों का क्या किया, और फिर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उनकी योजना नेपाल भागने की थी। कोटा सिटी पुलिस ने उन्हें रेलवे स्टेशन पर हिरासत में लिया। शुरुआती पूछताछ से पता चला है कि अनिल पंडित, रेहान के संपर्क में था। उन्होंने कहा, अनिल पंडित का संबंध लॉरेंस बिश्नोई से है... वे पुणे–जयपुर एक्सप्रेस के जनरल डिब्बे में सफर कर रहे थे। उनकी योजना दिल्ली पहुंचकर वहां से नेपाल भागने की थी। मुंबई पुलिस अब यहां पहुंच गई है और हम उन्हें सौंपने की प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं। मुंबई पुलिस के अनुसार, रविवार शाम करीब 7 बजे यह फायरिंग तब हुई जब टाइगर श्रॉफ जुहू के एक फुटबॉल क्लब



के दर्शकों तक पहुंचाने के लिहाज से यह बेहद अहम है। इसके अलावा, नवाज दिल्ली को गहराई से जानते हैं। इशान और मेरे लिए यह फिल्म इस शहर के प्रति प्रेम–पत्र की तरह है। हमें ऐसे अभिनेता की जरूरत थी, जो दिल्ली को समझ सके, उसे महसूस कर सके और अपने अभिनय में जीवंत कर सके। नवाज ये तीनों खूबियां रखते हैं।‘पिछले कई वर्षों में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने भारतीय सिनेमा के सबसे विशिष्ट अभिनेताओं में अपनी जगह बनाई है। जटिल, असामान्य और गहराई से मानवीय किरदारों को सहजता से निभाने की उनकी क्षमता ने उन्हें खास पहचान दिलाई है। उनकी चर्चित फिल्मों में अनुराग कश्यप की ‘गैंग्स ऑफ वासेपुर’, रितेश बत्रा की ‘द लंचबॉक्स’ और नंदिता दास की ‘मंटो’ शामिल हैं। इन तीनों फिल्मों का प्रीमियर कान फिल्म महोत्सव में हुआ था। इसके अलावा, उन्होंने नेटपिलक्स की चर्चित थ्रिलर सीरीज ‘सेक्रेड गेम्स’ में भी अभिनय किया और नेटपिलक्स की फिल्म ‘सीरियस मेन’ में मुख्य भूमिका के लिए उन्हें इंटरनेशनल एमी पुरस्कार के लिए नामांकन मिला। लेखक–निर्देशक इशान शर्मा के लिए नवाजुद्दीन सिद्दीकी का इस प्रोजेक्ट से जुड़ना लंबे समय से देखे गए एक रचनात्मक सपने के साकार होने जैसा है। नवाजुद्दीन के साथ काम करने को लेकर इशान शर्मा ने कहा, “नवाज लेखकों और निर्देशकों की एक पूरी पीढ़ी के लिए पर्दे के पीछे से प्रेरणा और सहयोग का स्रोत रहे हैं। मैं भी उनमें से एक हूं। हम उनके अभिनय को ध्यान में रखकर किरदार लिखते हैं। ‘अनवर का अजब किस्सा’ से लेकर ‘द लंचबॉक्स’ तक, मैंने हमेशा उनके सहिनय की तीव्रता और किरदार के प्रति उनके प्रेम की सराहना की है। उनमें उम्मीद और निराशा, उजाले और अंधेरे के बीच



कार पर फायरिंग कर दी। अभिनेता तो गोली लगने से बच गए, लेकिन इस घटना में उनका ड्राइवर घायल हो गया। पुलिस उपायुक्त मोहित गर्ग ने पुष्टि की कि जब अभिनेता क्लब परिसर से निकल रहे थे, तब उनकी गाड़ी को निशाना बनाया गया। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने संदिग्धों का पता लगाने के लिए अपना तलाशी अभियान गुजरात तक बढ़ा दिया है। सूत्रों के अनुसार, आरोपियों ने टाइगर की गतिविधियों पर नजर रखी थी और उन्हें

फिल्म

टाइगर श्रॉफ पर हमला, सिर्फ 15 मिनट में जाल बिछाकर ट्रेन से तीनों संदिग्धों को दबोचा, नेपाल भागने की फिराक में थे आरोपी

६६ कोटा की पुलिस अधीक्षक (एसपी) तेजस्वनी गौतम ने सोमवार को बताया कि बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ से जुड़ी फायरिंग की घटना के तीन आरोपियों हरियाणा के रेहान उर्फ सुक्का, बिहार के ऋतिक कुर्मी उर्फ रोशन और एक नाबालिग को मुंबई पुलिस को सौंप दिया जाएगा।

से बाहर निकल रहे थे। आरोपियों ने कथित तौर पर अभिनेता की कार पर गोलियां चलाईं। अभिनेता तो सीधे गोली लगने से बच गए, लेकिन इस घटना में उनका ड्राइवर घायल हो गया। घटना के बाद रविवार रात महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे टाइगर के घर पहुंचे। शिंदे ने बताया कि अभिनेता के बाएं हाथ में बारूद और कांच के टुकड़ों से चोटें आई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि टाइगर और उनकी मां, आयशा श्रॉफ, इस घटना से काफी सदमे में हैं। शिंदे ने उन्हें राज्य सरकार की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। घटना पर बात करते हुए शिंदे ने कहा, सख्त कार्रवाई की जाएगी और मशहूर हस्तियों को दी जाने वाली धमकियों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।



सहजता से आने–जाने की दुर्लभ क्षमता है, और इस दौरान वह किसी भी भाव को खोने नहीं देते। ‘कबूतर’ उनसे कुछ ऐसा करवाती है, जो दर्शकों ने पहले नहीं देखा है। इस नई चुनौती को हमारे साथ स्वीकार करना किसी उपहार से कम नहीं है। मैं उनके साथ मिलकर इस दुनिया को रचने के लिए बेहद उत्साहित हूं।‘फिल्म के कास्टिंग डायरेक्टर दिलीप शंकर, जिनके काम में ‘लाइफ ऑफ पाई’ और ‘मॉनसून वेडिंग’ जैसी फिल्में शामिल हैं, ने भी नवाजुद्दीन की भूमिका को लेकर अपनी राय साझा की। उन्होंने कहा, “नवाजुद्दीन महबूब के विचित्र हास्य, भावनात्मक गहराई और शांत संवेदनशीलता को असाधारण प्रामाणिकता के साथ पर्दे पर उतारेंगे। इस किरदार में शरारत, गुस्सा, कोमलता और गरिमा की जरूरत है। अपनी सहज उपस्थिति और बारीक अभिनय के दम पर नवाजुद्दीन महबूब के व्यक्तित्व के तमाम विरोध ाभासों को बखूबी साकार करते हैं। उनका अभिनय ‘कबूतर’ को पुरानी दिल्ली की जीवंत और मार्मिक दुनिया से जोड़कर रखेगा।” फिल्म की अंतरराष्ट्रीय पहुंच को और मजबूती देते हुए ‘कबूतर’ को कई प्रमुख फिल्म मार्केट शोकेंस के लिए चुना गया है। इनमें सिएटल का गोवा में भारत के राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम द्वारा आयोजित फिल्म बाजार और बर्लिन में इस वर्ष होने वाले यूरोपियन फिल्म मार्केट में एनएफडीसी की फिल्म लाइनअप शामिल हैं। इसी महीने के अंत में निखिल चौधरी सिंगापुर में एशियन प्रोड्यूसर नेटवर्क के एपीएन के तहत फिल्म को प्रस्तुत करेंगे। नवाजुद्दीन सिद्दीकी के मुख्य भूमिका में होने के साथ ‘कबूतर’ अंतरराष्ट्रीय सहयोग से तैयार हो रही एक ऐसी फिल्म है, जिसकी जड़ें पुरानी दिल्ली की विशिष्ट संस्कृति और परिवेश में बसी हैं।

टाइगर श्रॉफ पर हमले के बाद सलमान खान की बढ़ी मुश्किलें, बढ़ाई गई सुरक्षा

पता था कि वह हर रविवार फुटबॉल ग्राउंड जाते हैं। जांचकर्ताओं को शक है कि हमलावरों ने गोलीबारी करने से पहले इलाके की रेकी की थी और अभिनेता के रूटीन को अच्छी तरह समझ लिया था। सूत्रों ने बताया कि फायरिंग के बाद संदिग्ध एसयूवी रोड से होते हुए विले पार्ले और अंधेरी की तरफ भाग गए। बताया जा रहा है कि उन्होंने अंधेरी वेस्ट रेलवे स्टेशन के पास अपनी मोटरसाइकिल छोड़ दी और बोरीवली की ओर जाने वाली ट्रेन में सवार हो गए। जांचकर्ताओं को संदेह है कि पुलिस से बचने के लिए वे बाद में गुजरात चले गए। मुंबई क्राइम ब्रांच की तीन से चार टीमें आरोपियों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के लिए संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। इस बीच, घटना के बाद रविवार रात महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने टाइगर के आवास का दौरा किया। उन्होंने बताया कि अभिनेता के बाएं हाथ में बारूद और कांच के टुकड़ों से चोटें आई हैं। शिंदे ने कहा कि टाइगर और उनकी मां, आयशा श्रॉफ, इस घटना से काफी सदमे में हैं। उन्होंने उन्हें राज्य सरकार की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। शिंदे ने कहा, सख्त कार्रवाई की जाएगी और सार्वजनिक हस्तियों को दी जाने वाली धमकियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।



सूर्या अंत से आरंभ तक’ का दमदार टीजर रिलीज, मेडिकल सिस्टम के भ्रष्टाचार से भिड़ेंगे सनी देओल

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल के जन्मदिन पर उनकी आगामी फिल्म ‘सूर्यार्क अंत से आरंभ तक’ का दमदार टीजर रिलीज कर दिया गया है। एम. पदमकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सनी देओल एक बिल्कुल अलग और गंभीर अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसे शख्स के इर्द–गिर्द घूमती है, जो अपने अतीत के दर्द से जूझते हुए मेडिकल सिस्टम के भीतर छिपी एक बड़ी साजिश का पर्दाफाश करने निकलता है। क्राइम थ्रिलर से भरपूर टीजर में भावनात्मक उतार–चढ़ाव, जांच–पड़ताल, रहस्य और एक्शन की झलक देखने को मिलती है। 19 अक्टूबर को सनी देओल के जन्मदिन के मौके पर फिल्म के निर्माताओं ने इसका टीजर जारी किया। इससे पहले फिल्म के मोशन पोस्टर को दर्शकों और अभिनेता के प्रशंसकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। पोस्टर में सनी देओल का रफ एंड टफ लुक, चेहरे पर उम्र का असर और उनकी गंभीर नजरें चर्चा में रही थीं। अब टीजर ने फिल्म की कहानी को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है। टीजर से संकेत मिलता है कि ‘सूर्या’ की कहानी केवल एक व्यक्ति के संघर्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तार एक ऐसे सिस्टम से जुड़े हैं, जिसके पीछे कई चोंकाने वाले राज छिपे हुए हैं। फिल्म की शुरुआत एक निजी दुख और अपनों को खोने के दर्द से होती है। सनी देओल का किरदार सूर्या अपने अतीत के जख्मों के साथ जिंदगी जी रहा है। हालांकि, कुछ घटनाएं उसे ऐसे सवालों के जवाब तलाशने के लिए मजबूर कर देती हैं, जिन्हें लोग लंबे समय से नजरअंदाज करते आए हैं। जैसे–जैसे सूर्या मामले की तह तक पहुंचता है, उसे मेडिकल सिस्टम से जुड़ी एक बड़ी साजिश के संकेत मिलते हैं। शुरुआत में व्यक्तिगत नजर आने वाला मामला धीरे–धीरे एक गंभीर जांच में बदल जाता है। सूर्या उस सच्चाई को सामने लाने की कोशिश करता है, जिसे छिपाए रखने के लिए ताकतवर लोग किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। टीजर में फिल्म को ‘अविश्वसनीय सच्ची घटनाओं से प्रेरित’ बताया गया है। साथ ही, मेडिकल सिस्टम के भीतर छिपे चोंकाने वाले सच की ओर इशारा किया गया है, जो इसकी कहानी को और गंभीर बनाता है। सनी देओल अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और एक्शन के लिए जाने जाते हैं, लेकिन ‘सूर्या’ में उनके किरदार के कई भावनात्मक पहलू भी देखने को मिलेंगे। इस बार उनका किरदार सिर्फ ताकत के दम पर लड़ने वाला शख्स नहीं, बल्कि अपने अतीत के दर्द और सच्चाई जानने की बेचौनी से जूझता इंसान है। टीजर में उनकी खामोशी, भावनात्मक टूटन और सुरागों की तलाश के बीच धीरे–धीरे टकराव बढ़ता दिखाई देता है। कहानी आगे बढ़ने के साथ एक्शन भी तेज होता है। हालांकि, इस लड़ाई का दायरा किसी एक दुश्मन तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम तक फैला नजर आता है। टीजर में मेडिकल दस्तावेजों की जांच, अस्पतालों के परेशान करने वाले दृश्य, सिरिज और हिंसक टकराव कहानी के रहस्य को गहरा करते हैं। इसमें रवि किशन की दमदार झलक भी दिखाई देती है, जबकि प्रज्ञा जायसवाल फिल्म की भावनात्मक और नाटकीय दुनिया का अहम हिस्सा नजर आती हैं। फिल्म में सनी देओल और रवि किशन के अलावा प्रज्ञा जायसवाल, तनुश्री चक्रवर्ती, मनीष वाधवा, टीनू आनंद, विरति वाघानी, जिस्सु सेनगुप्ता, खालिद सिद्दीकी, अनूप त्रिवेदी और रोहित तिवारी भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म के निर्देशक एम. पदमकुमार के मुताबिक, ‘सूर्या’ के जरिए दर्शकों को सनी देओल का ऐसा रूप दिखाने की कोशिश की गई है, जिसे उन्होंने पहले शायद ही देखा हो। उन्होंने बताया कि सूर्या का किरदार अपने अतीत के गहरे दर्द को अपने भीतर समेटे हुए है, लेकिन यही दर्द उसे सच्चाई की तलाश में आगे बढ़ने की ताकत देता है। निर्देशक ने कहा कि टीजर की शुरुआत एक निजी घटना से होती है और फिर कहानी मेडिकल सिस्टम के भीतर छिपी एक बड़ी और परेशान करने वाली सच्चाई की ओर बढ़ती है। उनके अनुसार, सनी देओल ने इस किरदार में संयम, संवेदनशीलता और तीव्रता का बेहतरीन मेल पेश किया है। फिल्म में एक्शन और टकराव अहम हैं, लेकिन इसकी असली ताकत उस इंसान की कहानी है, जो मुश्किलों के बावजूद सवाल पूछना बंद नहीं करता। फिल्म की टैगलाइन ‘अंत से आरंभ तक’ इसकी कहानी को एक अलग अर्थ देती है। यह संकेत देती है कि जो घटना अंत जैसी दिखाई देती है, वही किसी बड़ी जांच और अनकही सच्चाइयों की शुरुआत भी हो सकती है।‘सूर्या’ में मुख्य किरदार अपने अतीत और वर्तमान के बीच उलझा हुआ है। जब दोनों के बीच टकराव बढ़ता है, तो वह ऐसी ताकतों के सामने खड़ा हो जाता है, जो सच्चाई को सामने आने से रोकना चाहती हैं। टीजर में कहानी के कई अहम पहलुओं की झलक दिखाई गई है, लेकिन सूर्या आखिरकार किस सच का पर्दाफाश करेगा, इसका खुलासा अभी नहीं किया गया है।



सर्दियों में बालों में तेल कितनी देर लगाकर रखें? जानें सही तरीका

अब सवाल यह उठता है कि सर्दियों में बालों में तेल किस तरह लगाया जाए। ठंड में सिर्फ तेल लगाना ही नहीं, बल्कि उसे लगाने का तरीका भी मायने रखता है। ठंड में पहले तेल को हल्का गुनगुना करें। अब उंगलियों की मदद से स्कैल्प की हल्की मालिश करें। नाखूनों से रगड़ने या जोर से मालिश करने से बचें।

ठंड के मौसम में बालों को अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है। इस मौसम में बाल रूखे, बेजान और उलझे हुए नजर आने लगते हैं। ऐसे में बालों में तेल लगाना काफी अच्छा माना जाता है, लेकिन सवाल यह है कि सर्दियों में तेल कितनी देर लगाकर रखना चाहिए?

ठंड के मौसम में बालों की केयर करने का मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आप बालों में खूब तेल लगाएं या फिर उसे रातभर या पूरे दिन लगाए रहने दें। इससे बालों को फायदा कम और नुकसान ज्यादा हो सकता है। तो चलिए जानते हैं कि सर्दी में बालों में तेल लगाने का सही तरीका क्या होना चाहिए—

सर्दियों में कितनी देर लगाकर रखें तेल?

सर्दियों में बालों में तेल लगाते समय समय का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है। अगर आप सामान्य रूप से बालों में तेल लगाती हैं, तो नहाने से लगभग 30 मिनट से 2 घंटे पहले तेल लगाना एक व्यावहारिक विकल्प है। हालांकि, अगर आपकी स्कैल्प तैलीय है या जल्दी खुजली होती है, तो कम समय तक तेल लगाना बेहतर हो सकता है। वहीं, रूखे बालों की लंबाई पर थोड़ी मात्रा में तेल लगाने से बालों को मुलायम महसूस करने में मदद मिल सकती है।

क्या रातभर बालों में तेल लगाकर रखना चाहिए?

बहुत—सी महिलाओं की आदत होती है कि वे रात को तेल लगाती हैं और अगली सुबह बाल धोती हैं। अगर आपकी स्कैल्प को तेल लगाने से कोई परेशानी नहीं होती, तो कभी—कभी ऐसा करना ठीक हो सकता है। लेकिन रातभर तेल लगाने से बालों की ग्रोथ तेजी से बढ़ेगी या बालों का झड़ना रुक जाएगा, इसका मजबूत प्रमाण नहीं है। अगर तेल लगाने के बाद स्कैल्प में खुजली, जलन, रुसी या छोटे—छोटे दाने होने लगे, तो तेल को लंबे समय तक न रखें।

सर्दियों में तेल लगाने का सही तरीका क्या है?

अब सवाल यह उठता है कि सर्दियों में बालों में तेल किस तरह लगाया जाए। ठंड में सिर्फ तेल लगाना ही नहीं, बल्कि उसे लगाने का तरीका भी मायने रखता है। ठंड में पहले तेल को हल्का गुनगुना करें। अब उंगलियों की मदद से स्कैल्प की हल्की मालिश करें। नाखूनों से रगड़ने या जोर से मालिश करने से बचें। याद रखें कि बालों और स्कैल्प पर जरूरत के अनुसार ही तेल लगाएं। ज्यादा तेल लगाने से बाल धोना मुश्किल हो सकता है।

क्या सर्दियों में रोज तेल लगाना जरूरी है?

नहीं, सर्दियों में रोज तेल लगाना जरूरी नहीं है। बालों की जरूरत के अनुसार तेल लगाया जा सकता है। कुछ लोगों को सप्ताह में एक या दो बार तेल लगाने से बाल संभालना आसान लगता है, जबकि कुछ लोग बालों की लंबाई पर बहुत कम मात्रा में तेल लगाना पसंद करते हैं।

बिना पैसे खर्च किए फेस्टिव लुक में सजाएं ड्राइंग रूम, अपनाएं ये 6 आसान आइडिया

त्योहारों का मौसम आते ही हर कोई अपने घर को सजाने—संवारने में जुट जाता है। कोई नए पर्दे खरीदता है, तो कोई फर्नीचर और सजावटी सामान पर पैसे खर्च करता है। लेकिन हर बार घर को नया लुक देने के लिए ज्यादा बजट खर्च करना जरूरी नहीं है। थोड़ी—सी क्रिएटिविटी और घर में पहले से मौजूद चीजों की मदद से भी ड्राइंग रूम को आकर्षक बनाया जा सकता है। अगर आप भी इस फेस्टिव सीजन में बिना ज्यादा खर्च किए अपने घर में रौनक बढ़ाना चाहती हैं, तो ये 6 आसान आइडिया आपके काम आ सकते हैं।

पुराने कुशन कवर को दें नया लुक ड्राइंग रूम के सोफे को सजाने में कुशन कवर अहम भूमिका निभाते हैं। अगर आपके पास पहले से कई कुशन कवर हैं, तो नए खरीदने की जगह उन्हें नया लुक दें। पुराने सिंगल कलर वाले कवर पर रंगीन लेस, मिरर वर्क या सजावटी किनारी लगाकर उन्हें आकर्षक बनाया जा सकता है। घर में रखे रंगीन दुपट्टे या कपड़े से भी कुशन के लिए नए कवर तैयार किए जा सकते हैं। इससे सोफा बिना ज्यादा खर्च किए फेस्टिव लुक में नजर आएगा।

पूरी दीवार बदलने के बजाय सजाएं एक खास कोना त्योहारों पर पूरे घर की पेंटिंग करवाना या दीवारों पर नया वॉलपेपर लगवाना मंहंगा पड़ सकता है। ऐसे में ड्राइंग रूम की किसी एक दीवार या कोने को सजाने पर ध्यान दें। घर में पहले से मौजूद आर्ट पीस, पुरानी तस्वीरों, सजावटी प्लेटों या रंगीन कपड़ों से दीवार को नया लुक दिया जा सकता है। अगर आपके पास वॉलपेपर का बचा हुआ टुकड़ा है, तो उसे किसी छोटे हिस्से पर इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे कमरे में बिना बड़े बदलाव के ही नई रौनक आ जाएगी।

मिरर वर्क वाली लेस और लटकन से करें सजावट अगर घर में पुरानी साड़ी या दुपट्टा रखा है, तो उसकी मिरर वर्क वाली लेस और लटकन सजावट के काम आ सकती हैं। इन्हें किसी पुराने कपड़े, सजावटी फ्रेम या दीवार पर लगाए जाने वाले हैंगिंग पीस के साथ इस्तेमाल किया जा सकता है। आप चाहें तो इन्हें किसी पुराने कुशन कवर के किनारों पर भी लगा सकती हैं। इस तरह पारंपरिक सजावट के जरिए ड्राइंग रूम में रंगों और



त्योहारों वाली रौनक बढ़ाई जा सकती है।

डाइनिंग टेबल को बनाएं आकर्षण का केंद्र ड्राइंग रूम या उससे जुड़े डाइनिंग एरिया को सजाने के लिए टेबल को नया लुक देना भी अच्छा विकल्प है। इसके लिए घर में मौजूद कोई रंगीन कपड़ा टेबल रनर की तरह बिछाएं। बीच में फूलों से भरा कटोरा, छोटा गुलदस्ता या घर में पहले से मौजूद सजावटी सामान रख सकती हैं। शाम के समय टेबल के आसपास सुरक्षित तरीके से दीये या बैटरी से चलने वाली मोमबत्तियां सजाने से माहौल और भी खूबसूरत लगेगा। ध्यान रखें कि जलते दीयों को कपड़ों और अन्य ज्वलनशील चीजों से दूर रखें।

छोटे स्टूल और पुराने सामान का करें इस्तेमाल घर में रखे छोटे स्टूल भी सजावट में काम आ सकते हैं। इन्हें सोफे के पास या कमरे के किसी खाली कोने में रखकर इनके ऊपर छोटा गुलदस्ता, सजावटी कटोरा या कोई सुंदर शोपीस रखा जा सकता है। अगर स्टूल पुराना है, तो उसे साफ करके रंगीन कपड़े से ढक सकती हैं। घर में मौजूद चीजों को नए तरीके से इस्तेमाल करने से कमरे का लुक बदल सकता है और नया सामान खरीदने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

दीये, लैंप और छोटी सजावटी चीजों से बढ़ाएं रौनक अगर आप थोड़ा—सा खर्च कर सकती हैं, तो घर के लिए एक



करवाचौथ का त्योहार सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। इस दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करके अपने लुक को खास बनाना पसंद करती हैं। साड़ी या लहंगे से लेकर मेकअप और जूलरी तक, हर छोटी—बड़ी चीज पर खास ध्यान दिया जाता है। ऐसे में नथ आपके पारंपरिक लुक में चार—चांद लगा सकती है।

अगर आप भी इस करवाचौथ पर नई नथ खरीदने की सोच रही हैं, तो यहां देखें कुछ खूबसूरत और ट्रेंडी डिजाइन। आप अपनी पसंद, चेहरे के आकार और आउटफिट के हिसाब से इनमें से कोई भी स्टाइल चुन सकती हैं।

चेन वाली नथ

चेन वाली नथ ट्रेडिशनल लुक पसंद करने वाली महिलाओं के लिए अच्छा विकल्प है। इसमें नथ के साथ एक पतली चेन होती है, जो बालों में या कान के पास टिकाई जाती है। गोल डिजाइन

दुर्गा पूजा पर बंगाली लुक के लिए हाथों पर स्वाएं आलता डिजाइंस के ये 4 खूबसूरत पैटर्न

हर साल दुर्गा पूजा को धूमधाम से मनाया जाता है। इस बार भी भक्तजन आनंद और उत्साव के साथ दुर्गा पूजा का सेलिब्रेशन किया जाएगा। खासकर बंगाली परंपरा और संस्कृति में दुर्गा पूजन का खास महत्व माना जाता है। ज्यादातर महिलाएं पूजा के दौरान पारंपरिक बंगाली लुक क्रिएट करती हैं। अगर आप दुर्गा पूजा में शामिल होने जा रही हैं, तो आप अपने लुक को और भी खास बनाने के लिए हाथों पर लाल आलता से बने कुछ खूबसूरत डिजाइंस ड्राई कर सकते हैं।

कमल के फूल की आकृति वाला आलता डिजाइन अपने लुक को खास बनाने के लिए कमल के फूल की आकृति वाला आलता डिजाइन इन दिनों बहुत ज्यादा ट्रेंड में है। यह हाथों की हथेली को दूर से ही अट्रैक्टिव दिखाने में मदद करता है। यह डिजाइन बहुत खूबसूरत है, जो कम समय में आसानी से बनकर तैयार हो जाता है। वहीं आप अपनी उंगलियों के बॉर्डर्स पर भी आलता लगाकर इस पूरे डिजाइन को कंप्लीट कर सकती हैं।

सनबर्स्ट और मंडला पैटर्न आलता

यदि आप दुर्गा पूजन के दिन सबसे अलग दिखना चाहती हैं और हाथों में आलता लगवना चाहती है, तो आपके लिए सनबर्स्ट और मंडला पैटर्न आलता सबसे बेस्ट माना जाता है। इसमें हथेली के बीच एक गहरा लाल गोल घेरा बनाया जाता है और इसके



चारों तरफ बारीक पत्तियां या डॉट वर्क किया जाता है, जो मंडला आर्ट जैसा दिखता है।

लाल आलता और सफेद चंदन का मेल आलता सिर्फ एक साधारण बिंदी तक नहीं सीमित है, बल्कि महिलाएं अब अलग—अलग तरह के ट्रेंडी आलता डिजाइंस बनवाने लगी हैं। ऐसे में आप लाल आलता के गोले घेरे के चारों ओर सफेद चंदन या कुमकुम से बारीक फ्लोरल डिजाइन बनवा सकती हैं। यह आपको पूरी तरह एक पारंपरिक बंगाली पूजा लुक

छोटा सजावटी लैंप, रंगीन दीये या खूबसूरत कटोरा खरीद सकती हैं। हालांकि, इसके लिए भी जरूरी नहीं कि आप हर बार नया सामान लें। घर में पहले से मौजूद दीयों को साफ करके रंगीन रंगोली, फूलों या सजावटी थाली के साथ इस्तेमाल किया जा सकता है। पुराने कांच के जार में फूल या बैटरी से चलने वाली लाइट लगाकर भी सुंदर सजावट की जा सकती है। इस तरह छोटी—छोटी चीजें ड्राइंग रूम को फेस्टिव लुक देने में मदद करेंगी।

इन छोटी बातों का भी रखें ध्यान सजावट शुरू करने से पहले ड्राइंग रूम की अच्छी तरह सफाई करें और गैरजरूरी सामान हटा दें।

कमरे में दो से तीन मुख्य रंगों का तालमेल रखें, ताकि सजावट बिखरी हुई न लगे।

पुराने सामान को दोबारा इस्तेमाल करने से पहले साफ जरूर करें।

दीये और मोमबत्तियां जलाते समय सुरक्षा का ध्यान रखें और उन्हें कभी भी बिना निगरानी के न छोड़ें।

इस फेस्टिव सीजन में स्मार्ट तरीके से सजावट करें। घर को खूबसूरत बनाने के लिए हर बार महंगे फर्नीचर या नए डेकोर आइटम खरीदना जरूरी नहीं है। पुराने सामान को नए अंदाज में इस्तेमाल करके भी आप अपने ड्राइंग रूम में त्योहारों जैसी रौनक ला सकती हैं।

करवाचौथ पर नथ पहनकर लगेगी सबसे खूबसूरत

गोल्डन नथ आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकती है।

चांद के डिजाइन वाली नथ चंद्रमा से प्रेरित डिजाइन वाली नथ करवाचौथ के मौके पर खास लग सकती है। इस तरह की नथ में चांद जैसी आकृति या पारंपरिक कर्व देखने को मिलते हैं। कुंदन, मोती या गोल्डन डिटेलिंग वाली नथ को आप महाराष्ट्रियन स्टाइल की जूलरी या पारंपरिक साड़ी के साथ पहन सकती हैं।

महाराष्ट्रियन नथ महाराष्ट्रियन नथ अपनी खास बनावट और पारंपरिक अंदाज के लिए जानी जाती है। इसमें मोती, रंगीन स्टोन और घुमावदार डिजाइन देखने को मिल सकते हैं। अगर आप इस करवाचौथ पर कुछ अलग और पारंपरिक पहनना चाहती हैं, तो महाराष्ट्रियन नथ को साड़ी, नऊवारी साड़ी या ट्रेडिशनल लहंगे के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

मिनिमल गोल्ड नथ अगर आपको हैवी जूलरी पसंद नहीं है, तो छोटी और मिनिमल गोल्ड नथ चुन सकती हैं। इसका सिंपल डिजाइन हल्के मेकअप, छोटी बिंदी और नाजुक जूलरी के साथ खूबसूरत लगता है। खासकर उन महिलाओं के लिए यह अच्छा विकल्प है, जो करवाचौथ पर एलिगेंट और सटल लुक चाहती हैं।

सिल्वर या डायमंड लुक वाली नथ अगर आप गोल्डन जूलरी की जगह सिल्वर, व्हाइट स्टोन या डायमंड लुक वाली जूलरी पहन रही हैं, तो इस तरह की नथ आपके लुक के साथ अच्छी लग सकती है। आप अपनी पसंद के अनुसार छोटी या बड़ी डिजाइन चुन सकती हैं। इसे सिल्वर इयररिंग्स, हल्के नेकलेस और सॉफ्ट मेकअप के साथ स्टाइल करके मॉडर्न और ट्रेडिशनल लुक का संतुलन बना सकती हैं। स्टाइलिंग टिप: करवाचौथ के लिए नथ चुनते समय अपने आउटफिट, बाकी जूलरी और आराम का ध्यान रखें। अगर आप पहली बार नथ पहन रही हैं, तो हल्की और आसानी से फिट होने वाली डिजाइन चुनना बेहतर रहेगा।

देने में मदद करेगा।

सिंपल डॉट और सर्किल आलता डिजाइन अगर आपको एकदम सिंपल लुक चाहिए, तो आपको पर्ल डॉट और सिंपल सर्किल आलता डिजाइन सबसे बेस्ट हो सकता है। यह एक सिंपल और एलिगेंट लुक देता है। इसे बनाने के लिए हथेली के बीच लाल रंग की एक टिककी बनाएं और उसके चारों तरफ सफेद डॉट्स लगा दें। इस तरह का हल्का डिजाइन आप कम से कम 5 से 7 मिनट के अंदर आसानी से बना सकती हैं।



शेयर बाजार में भारी गिरावट सेैमदेम• 928 अंक और छपजिल 274 अंक फिसला

पिछले सप्ताह शेयर बाजार में अच्छी तेजी देखने के बाद सोमवार को घरेलू बाजार में अचानक बिकवाली बढ़ गई। बैंकिंग शेयरों में गिरावट, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और कच्चे तेल की ऊँची कीमतों ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। इसके चलते सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लाल निशान पर आ गए। बाजार में गिरावट के कारण बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार मूल्य करीब 4.68 लाख करोड़ रुपये घट गया। सोमवार दोपहर 1रु57 बजे तक सेंसेक्स 928 अंक यानी 1.24 फीसदी गिरकर 73,801.07 पर कारोबार कर रहा था। वहीं, निफ्टी 274 अंक यानी 1.19 फीसदी टूटकर 22,871.80 पर पहुंच गया। इस गिरावट के बाद बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार मूल्य घटकर करीब 468 लाख करोड़ रुपये रह गया, लेकिन यह आंकड़ा बाजार के अनुमान से कम रहा। वहीं, एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। बैंक का मुनाफा बढ़कर 19,510 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही के 18,641 करोड़ रुपये से करीब 4.7 फीसदी अधिक है। आईसीआईसीआई बैंक और यस बैंक के शेयर भी 1 फीसदी से ज्यादा नीचे आ गए। विदेशी निवेशकों की गतिविधियों ने भी बाजार की चिंता बढ़ाई है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 1,166 करोड़ रुपये के भारतीय शेयर खरीदे थे। हालांकि, अक्टूबर में अब तक 11 कारोबारी सत्रों में से 9 सत्रों में वे शुद्ध बिकवाली कर चुके हैं। लगातार निकासी से बाजार में तेजी को सहारा मिलने में मुश्किल हो रही है। कच्चे तेल की कीमतें भी निवेशकों के लिए चिंता का कारण बनी हुई हैं। ब्रेट कच्चा तेल 2 फीसदी से ज्यादा गिरने के बावजूद 107 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर कारोबार कर रहा था, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई कच्चा तेल करीब 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस पर व्यापक प्रतिबंधों में छूट देने के फैसले के बाद तेल की कीमतों में कुछ नरमी आई। हालांकि, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि इस फैसले के आर्थिक असर का आकलन करने में 60 दिन तक लग सकते हैं। होर्मुज क्षेत्र में बढ़ते तनाव ने भी तेल की कीमतों को लेकर चिंता बढ़ाई है। दुनिया के दूसरे बाजारों में भी कमजोरी देखने को मिली। जापान का निक्केई 0.64 फीसदी गिरा, जबकि इंडोनेशिया का जकार्ता कंपोजिट 5 फीसदी से ज्यादा टूट गया। इसके उलट दक्षिण कोरिया का कोरसी करीब 2 फीसदी चढ़ा।

एंथ्रोपिक ने बनाया नया फंड, एआई से प्रभावित लोगों की मदद के लिए देगी 5% Share

एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। इसके साथ ही रोजगार, समाज और लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ने वाले इसके असर को लेकर भी चिंता बढ़ रही है। इसी बीच क्लॉड बनाने वाली कंपनी एंथ्रोपिक ने सार्वजनिक हित के कार्मों के लिए अपनी कंपनी के शेयरों का एक हिस्सा देने का फैसला किया है। कंपनी का कहना है कि जैसे-जैसे उसका बाजार मूल्य बढ़ेगा, वैसे-वैसे इस काम के लिए दिए जाने वाले शेयरों की संख्या भी बढ़ाई जा सकती है। एंथ्रोपिक ने रविवार को ‘एंथ्रोपिक पब्लिक बेनिफिट फंड’ नाम से एक नया कोष बनाने की घोषणा की। कंपनी ने तत्काल प्रभाव से अपने 5 प्रतिशत शेयर इस कोष के लिए देने की प्रतिबद्धता जताई है। हालांकि, इसके लिए शेयरधारकों की मंजूरी जरूरी होगी। इसके अलावा कंपनी के बाजार मूल्य में हर 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने पर निदेशक मंडल अपने फैसले से 2 प्रतिशत अतिरिक्त शेयर इस कोष को देने का निर्णय ले सकता है। कंपनी ने अपन ब्लॉग में बताया कि इस व्यवस्था के तहत एंथ्रोपिक का कारोबार जितना बढ़ेगा, सार्वजनिक हित के लिए इस्तेमाल किए जा सकने वाले संसाधन भी उतने ही बढ़ेंगे। आम तौर पर तकनीकी कंपनियां अपने बड़े अधिकारियों को ज्यादा वेतन और अतिरिक्त शेयर देकर प्रोत्साहित करती हैं। एंथ्रोपिक का कहना है कि वह शेयरों के इस हिस्से को अधिकारियों को देने के बजाय समाज के फायदे के लिए इस्तेमाल करना चाहती है। मौजूद जानकारी के अनुसार, इस कोष से पारंपरिक गैर-लाभकारी संस्थाओं को आर्थिक मदद दी जा सकेगी। इसके अलावा जरूरत के आधार पर कुछ खास वर्गों के लोगों को सीधे सहायता देने का विकल्प भी रहेगा। कंपनी ने माना है कि एआई के बढ़ते इस्तेमाल से रोजगार के क्षेत्र में बड़े बदलाव हो सकते हैं। ऐसे में नौकरी खोने या अपना काम बदलने के लिए मजबूर होने वाले लोगों की मदद करना भी इस कोष के संभावित उद्देश्यों में शामिल हो सकता है। एंथ्रोपिक ने कहा कि वह पहले ही इस समस्या का अध्ययन करने और इसके असर को कम करने के लिए 200 मिलियन डॉलर देने की प्रतिबद्धता जता चुकी है। हालांकि, एआई तकनीक जिस तेजी से आगे बढ़ रही है, उसे देखते हुए भविष्य में और बड़े कदम उठाने की जरूरत पड़ सकती है। कंपनी के मुताबिक, नया फंड ऐसे कदम उठाने के लिए अधिक विकल्प उपलब्ध कराएगा। गौरतलब है कि अमेरिका के डेलावेयर राज्य में एंथ्रोपिक का पंजीकरण सार्वजनिक हित के लिए काम करने वाली कंपनी के रूप में हुआ है। कंपनी ने साफ किया है कि इस फंड का इस्तेमाल अमेरिका या किसी दूसरे देश में राजनीतिक चंदा देने अथवा राजनीतिक समर्थन जुटाने के लिए नहीं किया जाएगा। एंथ्रोपिक की स्थापना 2021 में ओपनएआई के कुछ पूर्व कर्मचारियों ने की थी। ओपनएआई ही चोटजीपीटी बनाने वाली कंपनी है। एंथ्रोपिक अब अमेरिकी शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की तैयारी कर रही है। उम्मीद जताई जा रही है कि कंपनी 2026 के अंत से पहले शेयर बाजार में उतर सकती है। विश्लेषकों का अनुमान है कि सूचीबद्ध होने के समय इसका मूल्यांकन 2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो सकता है।

3-0 से क्लीन स्वीप के लक्ष्य के साथ उतरेगी भारतीय महिला टीम

भारतीय महिला क्रिकेट टीम मंगलवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में 3–0 से क्लीन स्वीप करने के लक्ष्य से उतरेगी। शुरुआती दोनों मुकाबले जीतकर भारत श्रृंखला में 2–0 की अजेय बढ़त बना चुका है। कप्तान स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा की वापसी और निक्की प्रसाद के बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन से टीम काफी उत्साहित है।

शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लय में लौटने के बाद उत्साह से लबरेज भारतीय महिला क्रिकेट टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले तीसरे अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने और 3–0 से क्लीन स्वीप करने का लक्ष्य लेकर मैदान पर उतरेगी। स्मृति मंधाना के पूर्णकालिक कप्तान बनने के बाद भारत पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 115 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए तब संकट में पड़ गया था जब उसने अपने चार विकेट 19 रन पर गंवा दिए थे। भारत हालांकि दीप्ति शर्मा और निक्की प्रसाद की अच्छी बल्लेबाजी से यह मैच जीतने में सफल रहा था। सीनियर

अंतरराष्ट्रीय मैच में पदार्पण पर 20 वर्षीय निक्की पहले मैच में 39 रन बनाकर नाबाद रहीं। उन्होंने दूसरे मैच में सात रन देकर दो विकेट लिए और इस तरह से अपनी ऑलराउंड क्षमता का अच्छा नमूना पेश किया। दूसरे मैच में मंधाना ने 25 गेंदों पर नाबाद 47 रन जबकि शेफाली वर्मा ने केवल 25 गेंदों पर 55 रन बनाए। इससे भारत ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में नौ विकेट से जीत हासिल कर 2–0 की अजेय बढ़त बना ली। मंधाना का फॉर्म में लौटना भारत के लिए बड़ा सकारात्मक पहलू है क्योंकि वह फरवरी में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले लय बनाए रखना चाहेंगी। मंधाना और शेफाली की सलामी जोड़ी एक बार फिर मजबूत शुरुआत देकर जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण पर दबाव बनाने की कोशिश करेगी। भारत ने तीसरे नंबर पर जेमिमा रोड्रिग्स के चोटिल हो जाने के कारण अनुष्का शर्मा को मौका दिया लेकिन यह 23 वर्षीय खिलाड़ी पहले मैच में केवल चार रन बना पाई थी जबकि दूसरे मैच में उन्हें खेलने का खास मौका नहीं मिला। अब वह मौका मिलने पर अपनी छाप छोड़ने की पूरी कोशिश



करेगी। भारत के लिए सबसे सकारात्मक पहलू निक्की का अच्छा प्रदर्शन रहा। उन्होंने दूसरे मैच के बाद कहा कि टीम के माहौल में जल्दी घुलमिल जाने से उन्हें मदद मिली। उन्होंने कहा, “यह भारत की सीनियर टीम के साथ मेरा पहला अनुभव है। ड्रेसिंग रूम का माहौल कुल मिलाकर बहुत अच्छा है। मुझे लगता है कि स्मृति दीदी (अपनी पूर्ववर्ती हरमनप्रीत कौर की तरह) उसी परंपरा को आगे

बढ़ा रही हैं।” जिम्बाब्वे ने सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ ऐतिहासिक पहली वनडे जीत के बाद इस श्रंखला में प्रवेश किया, लेकिन उसकी टीम अब भी टी20 में 2026 में अपनी पहली जीत की तलाश में है। उसे इस साल अपने सभी 20 मैच में हार का सामना करना पड़ा है। जिम्बाब्वे को उम्मीद होगी कि सलामी बल्लेबाज केलिस नधलोवु उसे मजबूत शुरुआत देंगी। गेंदबाजी में

उसका दारोमदार ऑफ स्पिनर न्याशा ग्वांजुरा पर रहेगा जिन्होंने पहले मैच में तीन विकेट लेकर भारतीय शीर्ष क्रम को झकझोर दिया था।

टीम इस प्रकार हैं भारत: स्मृति मंधाना (कप्तान), शेफाली वर्मा (उप-कप्तान), निक्की प्रसाद, हरमनप्रीत कौर, अनुष्का शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, श्री चरणी, नंदनी शर्मा,

क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, जित्तिमणि कलिता और मिन्नु मणि।

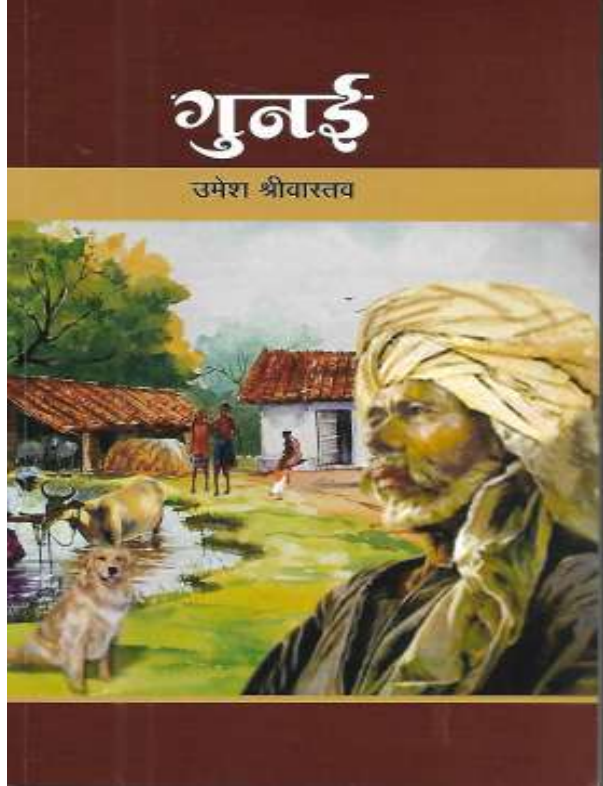
जिम्बाब्वे: जोसेफिन नकोमो (कप्तान), बिलव्ड बिज़ा, चिपो मुगेरी-तिरिपानो, केलिस नधलोवु, मिशेल मावुंगा, न्याशा ग्वानजुरा, नोम्पिलो सिबांडा, लोरिन फिरी, चिएजा दुरुरु, मोडेस्टर मुपाचिक्वा, तेंदानेई मायकुशा। मैच भारतीय समयानुसार शाम सात बजे शुरू होगा।

शैफाली वर्मा बनीं एक साल में सर्वाधिक 50+ स्कोर बनाने वाली बैटर, रायपुर T20I में रचा इतिहास

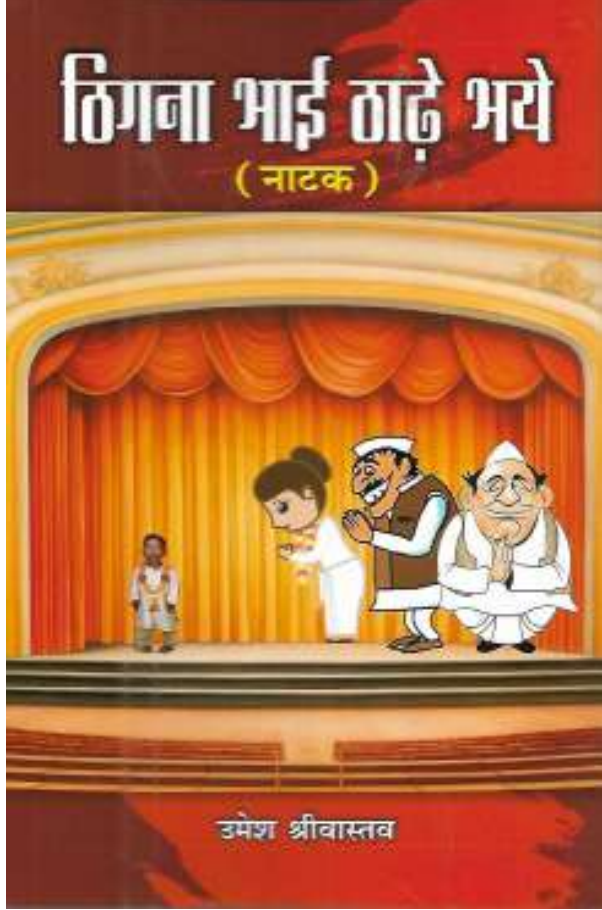
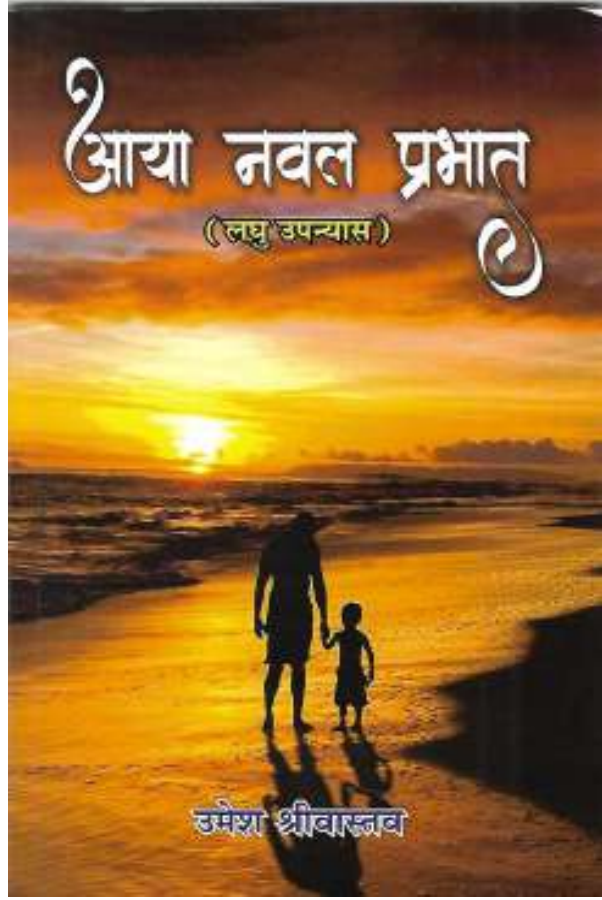
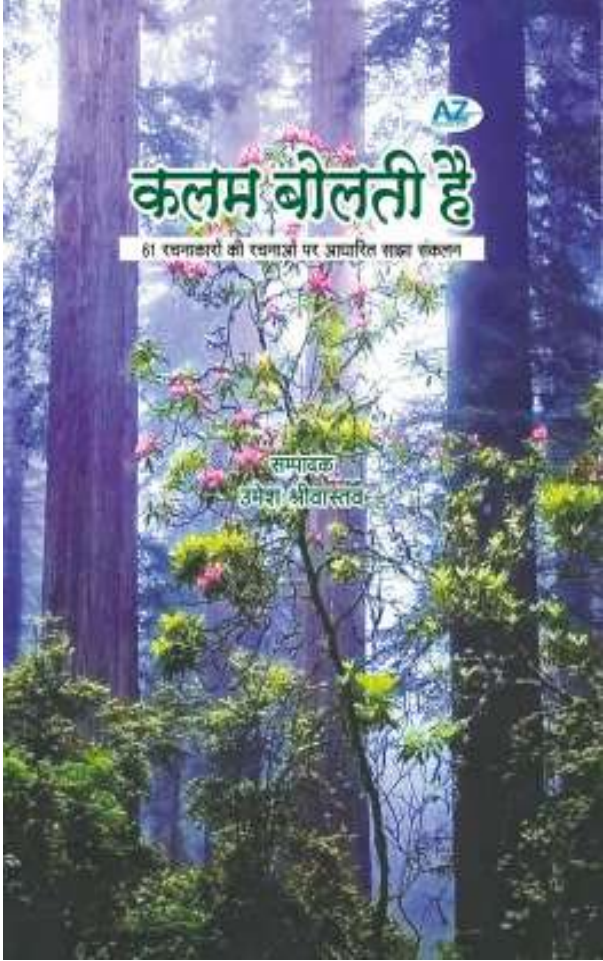
रायपुर में खेले गए दूसरे ज20८ में भारतीय महिला टीम ने जिम्बाब्वे को 9 विकेट से हराकर सीरीज अपने नाम कर ली। जिम्बाब्वे के 102 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए शैफाली वर्मा ने 25 गेंदों में 55 रन बनाए। इस शानदार अर्धशतक के साथ शैफाली एक कैलेंडर वर्ष में नौ 50+ स्कोर बनाकर स्मृति मंधाना से आगे निकल गईं। तीन मैचों की मौजूदा सीरीज के दूसरे ज20८ में भारतीय महिला टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। 18 अक्टूबर को रायपुर के शाहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में दोनों टीमों आमने-सामने थीं, जहाँ भारतीय टीम ने जीत दर्ज की और सीरीज भी अपने नाम कर ली। पहले गेंदबाजी करते हुए, भारत ने जिम्बाब्वे को पहली पारी में 102 रनों पर रोक दिया और फिर आसानी से लक्ष्य का पीछा कर

लिया। इस जीत में शैफाली वर्मा का प्रदर्शन सबसे खास रहा; उन्होंने 25 गेंदों में 55 रन बनाए, जिससे भारत को 9 विकेट से जीत हासिल करने में मदद मिली। इस अर्धशतक के साथ, शैफाली वर्मा एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा बार 50+ स्कोर बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में स्मृति मंधाना से आगे निकल गईं। कल की अपनी पारी के बाद, शैफाली वर्मा इस सूची में सबसे ऊपर आ गई हैं। 2026 में यह उनका नौवां 50+ स्कोर था, जबकि 2024 में स्मृति मंधाना ने 8 बार 50+ का आंकड़ा छुआ था।

एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज़्यादा बार 50 से ज़्यादा रन बनाना 9 – शैफाली वर्मा (IND-W), 2026 में 8 – स्मृति मंधाना (IND-W), 2024 में 7 – मिताली राज (IND-W), 2018 में



चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित



ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पेंसेंजर प्रकाशित हो गया है।

उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

संक्षिप्त

पश्चिम एशिया में अमेरिकी नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह, सुरक्षा परामर्श जारी

यरुशलम। पश्चिम एशिया स्थित अमेरिका के मिशनों ने सऊदी अरब पर हूतियों के हमलों और ईरान व उसके सहयोगियों की ओर से अमेरिकी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाए जाने की आशंका के बीच सुरक्षा परामर्श जारी कर अपने नागरिकों को “अधिक सतर्क रहने” की सलाह दी है। परामर्श में कहा गया है, “उड़ानें रद्द होने, हवाई क्षेत्र बंद होने और यात्रा में रुकावट की आशंका को ध्यान में रखें।” इसमें यह भी कहा गया है कि “इन शत्रुतापूर्ण गतिविधियों के कारण स्थिति पश्चिम एशिया क्षेत्र से बाहर भी तेजी से बिगड़ सकती है।” परामर्श के अनुसार, “ईरान और उसका समर्थन करने वाले समूह विदेश में अमेरिकी प्रतिष्ठानों या अमेरिका व उसके नागरिकों से जुड़े स्थानों को निशाना बना सकते हैं।” यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब पर किए गए ड्रोन व मिसाइल हमलों के बाद चिंताएं बढ़ गई हैं। इनमें 10 अक्टूबर को रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर किया गया एक घातक हमला भी शामिल है, जिसमें एक भारतीय नागरिक समेत 13 लोगों की मौत हो गई थी। अमेरिका हूतियों को ईरान समर्थित एक प्रमुख सशस्त्र समूह मानता है, जो क्षेत्र में तेहरान के सहयोगी नेटवर्क का हिस्सा है। ईरान हूतियों को हथियार, धन और प्रशिक्षण मुहैया करता है।

ऑस्ट्रेलिया सांसद हेलेन हेन्स को कार ने मारी टक्कर, गंभीर हालत में अस्पताल भर्ती

ऑस्ट्रेलिया में सोमवार को एक कार की टक्कर से एक सांसद गंभीर रूप से घायल हो गई जिसके बाद कार चालक को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार ऐसा जान पड़ता है कि कार चालक ने जानबूझकर सांसद को टक्कर मारी। पुलिस के एक बयान के अनुसार, विक्टोरिया प्रांत के वांगारारा में 65 वर्षीय सांसद हेलेन हेन्स को उनके चुनावी जिला कार्यालय के बाहर एक ‘टोयोटा लैंड क्रूजर एसयूवी’ (कार) ने टक्कर मार दी। अपने बयान में पुलिस ने दुर्घटना पीड़िता का खुलासा नहीं किया लेकिन स्वयं हेन्स के परिवार ने एक बयान में इस हादसे में उनके घायल हो जाने की पुष्टि की। पुलिस के अनुसार हादसे के बाद एक राहगीर ने संबंधित कार चालक को पकड़ लिया तथा उसे पुलिस के हवाले कर दिया। अब पुलिस उससे हादसे के संबंध में पूछताछ करेगी। पुलिस ने कहा कि टोयोटा से एक चाकू जक्त किया गया है। पुलिस ने कहा, “इस चरण में, पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या ऐसा जानबूझकर किया गया।” पुलिस के मुताबिक हेन्स को गंभीर अवस्था में अस्पताल ले जाया गया। वह पहली बार 2019 में संसद के लिए निर्वाचित हुई थीं। प्रशासन इस बात को लेकर चिंतित है कि पिछले साल आस्ट्रेलिया में बड़ी हस्तियों को हिंसा की 1000 से अधिक धमकियां मिली हैं।

बलूचिस्तान में IED ब्लास्ट से पाकिस्तानी सेना के इंरवत की मौत, 4 आतंकी ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा अभियान के दौरान हुए विस्फोट में पाकिस्तानी सेना के एक अधिकारी की मौत हो गई। विस्फोट के लिए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का इस्तेमाल किया गया था। अधिकारियों ने सोमवार को खत्म जानकारी दी। सेना की मीडिया शाखा इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षा बलों ने रविवार को ग्वादर के शादिकौर इलाके और कलात जिले के जट्टकाबाद में कई अभियान चलाए। सेना के अनुसार, सुरक्षा बलों ने रविवार को जट्टकाबाद इलाके में अभियान चलाकर चार आतंकवादियों को मार गिराया और बड़ी मात्रा में हथियार तथा गोला–बारूद बरामद किया। सुरक्षा बलों ने ग्वादर जिले के पसनी स्थित शादिकौर इलाके में तलाशी अभियान भी चलाए। अभियान का नेतृत्व करते समय आईईडी से किए गए हमले में 34 वर्षीय मेजर वजाहत वहीद की मौत हो गई। सेना ने कहा, “इलाके में अन्य आतंकवादियों को खत्म करने के लिए तलाशी अभियान जारी रहेंगे।” सेना ने कहा कि सुरक्षा बल और कानून प्रवर्तन एजेंसियां देश से विदेशी प्रायोजित और समर्थित आतंकवाद के खतरे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने चार आतंकवादियों को मार गिराने के लिए सुरक्षा बलों की सराहना की और सेना के अधिकारी की मौत पर दुख जताया। प्रधानमंत्री ने कहा, “मेजर वजाहत वहीद ने अपनी पुख्रि मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना तेज प्रणों का बलिदान दिया। राष्ट्र को उन पर गर्व है।” उन्होंने मारे गए अधिकारी के परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना भी व्यक्त की। बलूचिस्तान में हाल के वर्षों में उग्रवादी गतिविधियों में वृद्धि हुई है। सुरक्षा बल अशांति को दबाने के लिए सक्रिय हैं।

एयर एंडुलेंस की ढाका में इमरजेन्सी एम्बुलेंस, 56 वर्षीय महिला मरीज की मौत

अगरतला से कोलकाता जा रही भारत की एक एयर एंडुलेंस का दरवाजा बीच हवा में आंशिक रूप से खुल जाने के बाद उसे बांग्लादेश में अपात स्थिति में उतारा गया। हालांकि, एयर एंडुलेस में सवार भारतीय महिला की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी ‘बीएसएस’ के अनुसार ‘वीटी–एचवाईए’ पंजीकरण वाला ‘बीचक्राफ्ट किंग एयर सी90ए’ विमान रविवार को अगरतला से कोलकाता जा रहा था।

शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र

समस्त जनपदों में • तहसील • ब्लॉक / शहर में

भर्ती - निम्न पदों हेतु

- ब्यूरो प्रमुख
- चौफ रिपोर्टर
- संवाददाता
- प्रतिनिधि मण्डल

- समाचार संकलन एवं ब्यूरो संचालन हेतु
- क्षेत्रीय रिपोटिंग व समाचार कवरेज हेतु
- स्थानीय समाचार, घटनाओं की रिपोटिंग हेतु
- जिला/तहसील/ब्लॉक स्तर पर प्रतिनिधित्व हेतु

आकर्षक वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी

पात्रता एवं विवरण

- पत्रकारिता में रुचि रखने वाले उम्मीदवारों को निम्नलिखित सूची में आवेदन कर सकते हैं
- स्थानीय खबरों की रिपोर्टिंग और निम्नलिखित क्षेत्रों में आवश्यक
- संयोजित रूप से इच्छुक

संपर्क सूत्र:

919005239332 919450482227

संपर्क करें: शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र कार्यालय, प्रयागराज हमारे साथ जुड़े और पत्रकारिता में बनाएँ अपना भविष्य !

यमन में भड़की हिंसा: हूती विद्रोहियों ने सैन्य शिविर पर दार्गी बैलिस्टिक मिसाइलें; 20 सैनिकों की मौत, कई घायल

साना। यमन में हूती विद्रोहियों और सरकार समर्थक बलों के बीच संघर्ष लगातार गंभीर होता जा रहा है। सोमवार को दक्षिणी यमन के शबवा प्रांत में सरकारी बलों के सैन्य शिविर पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया गया। इस हमले में कम से कम 20 सैनिकों की मौत हो गई, जबकि दो दर्जन से अधिक जवान घायल हुए हैं। मरने वालों में ज्यादातर नए भर्ती हुए सैनिक बताए गए हैं। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब यमन में लंबे समय से जारी संघर्ष फिर तेज हो गया है।

हूती विद्रोहियों ने कहां और कैसे किया हमला?

ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने शबवा प्रांत के अल–अलम सैन्य शिविर को निशाना बनाया। यमन की सेना के प्रवक्ता कर्नल माजेद अल–नजिली ने पुष्टि की कि हूतियों ने पुलिस और सुरक्षा बलों के प्रशिक्षण केंद्र

खुद भारी कर्ज में डूबा पाकिस्तान बना कर्ज लेने वाले देशों के वैश्विक समूह का अध्यक्ष

लगातार भारी–भरकम कर्ज लेने वाला देश पाकिस्तान अब एक अजीब और विरोधाभासी स्थिति में दुनिया के सामने आया है। भारी कर्ज के बोझ तले दबा पाकिस्तान, संयुक्त राष्ट्र समर्थित एक ऐसे वैश्विक मंच का अध्यक्ष बन गया है, जिसे विकासशील देशों को अंतरराष्ट्रीय कर्ज के मामलों में अपनी आवाज मजबूती से उठाने के लिए तैयार किया गया है। पाकिस्तान सरकार की आधिकारिक जानकारी के अनुसार, देश के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने 12 अक्टूबर को बॉरोअर्स प्लेटफॉर्म (Borrowers Platform / उधारकर्ताओं के मंच) की गर्वर्निंग काउंसिल की अध्यक्षता औपचारिक रूप से स्वीकार कर ली है। इस नई जिम्मेदारी के तहत पाकिस्तान का मुख्य काम कर्ज प्रबंधन (Debt Management) में सहयोग का मार्गदर्शन करना, आर्थिक सुधारों से जुड़े अपने कड़वे–मीठे अनुभव साझा करना और इस मंच के 2026–27 के कार्य कार्यक्रम को आगे बढ़ाना होगा। बॉरोअर्स प्लेटफॉर्म कर्ज लेने वाले विकासशील देशों को एक साथ लाता है ताकि वे ज्ञान का आदान–प्रदान कर सकें, कर्ज प्रबंधन की अपनी क्षमता को बेहतर बना सकें और साझा चुनौतियों पर चर्चा कर सकें। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (UNCTAD) इसके सचिवालय के रूप में काम करता है। पाकिस्तान इसके राजनीतिक निर्णय लेने वाले निकाय की अध्यक्षता करेगा, जबकि एक अलग संचालन समिति (Steering Committee) तकनीकी और परिचालन संबंधी कार्यों को संभालेगी। यह नियुक्ति ऐसे समय

पर तीन बैलिस्टिक मिसाइलें दार्गी। हालांकि, उन्होंने हताहतों की संख्या पर टिप्पणी नहीं की। यमन की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार के दो सैन्य अधिकारियों ने कम से कम 20 सैनिकों की मौत और दो दर्जन से अधिक जवानों के घायल होने की जानकारी दी। हूती संचालित समाचार एजेंसी ने भी हमले में कई लोगों के मारे जाने और घायल होने का दावा किया, लेकिन संख्या नहीं बताई। सैन्य शिविर को निशाना बनाना क्यों अहम है?

अल–अलम सैन्य शिविर शबवा प्रांत की राजधानी अटक के उत्तर में जर्दान जिले में स्थित है। इस शिविर का इस्तेमाल पहले संयुक्त अरब अमीरात के समर्थन वाले एक सशस्त्र समूह ने किया था। यह इलाका सरकार के नियंत्रण वाले मारीब प्रांत तक जाने वाले रास्ते पर स्थित है। यहां से सरकारी

बॉरोअर्स प्लेटफॉर्म (उधारकर्ताओं का मंच) क्या है?

में हुई है जब पाकिस्तान लगातार बाहरी वित्तीय मदद की तलाश में है। हाल ही में 7 अक्टूबर को, पाकिस्तान ने IMF के साथ एक स्टाफ–लेवल समझौता किया है, जिससे उसे लगभग 1.21 अरब डॉलर मिल सकते हैं (बशर्ते IMF के कार्यकारी बोर्ड से इसे मंजूरी मिल जाए)। 2023 में, पाकिस्तान ने IMF से 3 अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज लेकर खुद

का मार्गदर्शन करना, आर्थिक सुधारों से जुड़े अपने कड़वे–मीठे अनुभव साझा करना और इस मंच के 2026–27 के कार्य कार्यक्रम को आगे बढ़ाना होगा। बॉरोअर्स प्लेटफॉर्म कर्ज लेने वाले विकासशील देशों को एक साथ लाता है ताकि वे ज्ञान का आदान–प्रदान कर सकें, कर्ज प्रबंधन की अपनी क्षमता को बेहतर बना सकें और साझा चुनौतियों पर चर्चा कर सकें। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (UNCTAD) इसके सचिवालय के रूप में काम करता है। पाकिस्तान इसके राजनीतिक निर्णय लेने वाले निकाय की अध्यक्षता करेगा, जबकि एक अलग संचालन समिति (Steering Committee) तकनीकी और परिचालन संबंधी कार्यों को संभालेगी। यह नियुक्ति ऐसे समय

का मार्गदर्शन करना, आर्थिक सुधारों से जुड़े अपने कड़वे–मीठे अनुभव साझा करना और इस मंच के 2026–27 के कार्य कार्यक्रम को आगे बढ़ाना होगा। बॉरोअर्स प्लेटफॉर्म कर्ज लेने वाले विकासशील देशों को एक साथ लाता है ताकि वे ज्ञान का आदान–प्रदान कर सकें, कर्ज प्रबंधन की अपनी क्षमता को बेहतर बना सकें और साझा चुनौतियों पर चर्चा कर सकें। संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (UNCTAD) इसके सचिवालय के रूप में काम करता है। पाकिस्तान इसके राजनीतिक निर्णय लेने वाले निकाय की अध्यक्षता करेगा, जबकि एक अलग संचालन समिति (Steering Committee) तकनीकी और परिचालन संबंधी कार्यों को संभालेगी। यह नियुक्ति ऐसे समय

कनाडा के अल्बर्टा सैन्य अड्डे पर युद्धाभ्यास के दौरान आग, 4 सैनिकों की मौत और 39 घायल

कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में एक सैन्य अड्डे पर युद्ध अभ्यास के दौरान तेजी से फैली आग की चपेट में आने से चार सैनिकों की मौत हो गई और 39 घायल हो गए। घायलों में 19 की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मेजर जनरल वेड रटलैंड ने रविवार को बताया कि सैन्य अधिकारियों को आग लगने की जानकारी कई घंटे पहले ही मिल गई थी। हालांकि, उन्हें लगा कि आग पर पर्याप्त हद तक काबू पा लिया गया है और इसलिए अभ्यास जारी रखा जा सकता है। लेकिन अचानक हवा का रुख बदलने से आग तेजी से सैनिकों की ओर बढ़ने लगी। रटलैंड ने एडमंटन में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, “ हवा का रुख बदलने से पहले आग एक किलोमीटर दूर



बलों को जरूरी सामान और सैन्य आपूर्ति पहुंचाने में मदद मिलती है। एक सैन्य अधिकारी के मुताबिक, हमले में निशाना बनाए गए जवान रैपिड इंटरवेंशन नाम से गठित नई सुरक्षा इकाई का हिस्सा थे। इस बल को इलाके की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। यमन में संघर्ष फिर क्यों

बलों को जरूरी सामान और सैन्य आपूर्ति पहुंचाने में मदद मिलती है। एक सैन्य अधिकारी के मुताबिक, हमले में निशाना बनाए गए जवान रैपिड इंटरवेंशन नाम से गठित नई सुरक्षा इकाई का हिस्सा थे। इस बल को इलाके की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। यमन में संघर्ष फिर क्यों

बलों को जरूरी सामान और सैन्य आपूर्ति पहुंचाने में मदद मिलती है। एक सैन्य अधिकारी के मुताबिक, हमले में निशाना बनाए गए जवान रैपिड इंटरवेंशन नाम से गठित नई सुरक्षा इकाई का हिस्सा थे। इस बल को इलाके की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। यमन में संघर्ष फिर क्यों

बलों को जरूरी सामान और सैन्य आपूर्ति पहुंचाने में मदद मिलती है। एक सैन्य अधिकारी के मुताबिक, हमले में निशाना बनाए गए जवान रैपिड इंटरवेंशन नाम से गठित नई सुरक्षा इकाई का हिस्सा थे। इस बल को इलाके की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। यमन में संघर्ष फिर क्यों

बलों को जरूरी सामान और सैन्य आपूर्ति पहुंचाने में मदद मिलती है। एक सैन्य अधिकारी के मुताबिक, हमले में निशाना बनाए गए जवान रैपिड इंटरवेंशन नाम से गठित नई सुरक्षा इकाई का हिस्सा थे। इस बल को इलाके की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। यमन में संघर्ष फिर क्यों

बलों को जरूरी सामान और सैन्य आपूर्ति पहुंचाने में मदद मिलती है। एक सैन्य अधिकारी के मुताबिक, हमले में निशाना बनाए गए जवान रैपिड इंटरवेंशन नाम से गठित नई सुरक्षा इकाई का हिस्सा थे। इस बल को इलाके की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। यमन में संघर्ष फिर क्यों

बलों को जरूरी सामान और सैन्य आपूर्ति पहुंचाने में मदद मिलती है। एक सैन्य अधिकारी के मुताबिक, हमले में निशाना बनाए गए जवान रैपिड इंटरवेंशन नाम से गठित नई सुरक्षा इकाई का हिस्सा थे। इस बल को इलाके की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। यमन में संघर्ष फिर क्यों

बलों को जरूरी सामान और सैन्य आपूर्ति पहुंचाने में मदद मिलती है। एक सैन्य अधिकारी के मुताबिक, हमले में निशाना बनाए गए जवान रैपिड इंटरवेंशन नाम से गठित नई सुरक्षा इकाई का हिस्सा थे। इस बल को इलाके की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। यमन में संघर्ष फिर क्यों

बलों को जरूरी सामान और सैन्य आपूर्ति पहुंचाने में मदद मिलती है। एक सैन्य अधिकारी के मुताबिक, हमले में निशाना बनाए गए जवान रैपिड इंटरवेंशन नाम से गठित नई सुरक्षा इकाई का हिस्सा थे। इस बल को इलाके की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। यमन में संघर्ष फिर क्यों

बलों को जरूरी सामान और सैन्य आपूर्ति पहुंचाने में मदद मिलती है। एक सैन्य अधिकारी के मुताबिक, हमले में निशाना बनाए गए जवान रैपिड इंटरवेंशन नाम से गठित नई सुरक्षा इकाई का हिस्सा थे। इस बल को इलाके की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। यमन में संघर्ष फिर क्यों

बलों को जरूरी सामान और सैन्य आपूर्ति पहुंचाने में मदद मिलती है। एक सैन्य अधिकारी के मुताबिक, हमले में निशाना बनाए गए जवान रैपिड इंटरवेंशन नाम से गठित नई सुरक्षा इकाई का हिस्सा थे। इस बल को इलाके की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। यमन में संघर्ष फिर क्यों

बलों को जरूरी सामान और सैन्य आपूर्ति पहुंचाने में मदद मिलती है। एक सैन्य अधिकारी के मुताबिक, हमले में निशाना बनाए गए जवान रैपिड इंटरवेंशन नाम से गठित नई सुरक्षा इकाई का हिस्सा थे। इस बल को इलाके की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। यमन में संघर्ष फिर क्यों

बलों को जरूरी सामान और सैन्य आपूर्ति पहुंचाने में मदद मिलती है। एक सैन्य अधिकारी के मुताबिक, हमले में निशाना बनाए गए जवान रैपिड इंटरवेंशन नाम से गठित नई सुरक्षा इकाई का हिस्सा थे। इस बल को इलाके की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। यमन में संघर्ष फिर क्यों

बलों को जरूरी सामान और सैन्य आपूर्ति पहुंचाने में मदद मिलती है। एक सैन्य अधिकारी के मुताबिक, हमले में निशाना बनाए गए जवान रैपिड इंटरवेंशन नाम से गठित नई सुरक्षा इकाई का हिस्सा थे। इस बल को इलाके की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। यमन में संघर्ष फिर क्यों

बलों को जरूरी सामान और सैन्य आपूर्ति पहुंचाने में मदद मिलती है। एक सैन्य अधिकारी के मुताबिक, हमले में निशाना बनाए गए जवान रैपिड इंटरवेंशन नाम से गठित नई सुरक्षा इकाई का हिस्सा थे। इस बल को इलाके की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। यमन में संघर्ष फिर क्यों

बलों को जरूरी सामान और सैन्य आपूर्ति पहुंचाने में मदद मिलती है। एक सैन्य अधिकारी के मुताबिक, हमले में निशाना बनाए गए जवान रैपिड इंटरवेंशन नाम से गठित नई सुरक्षा इकाई का हिस्सा थे। इस बल को इलाके की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। यमन में संघर्ष फिर क्यों

बलों को जरूरी सामान और सैन्य आपूर्ति पहुंचाने में मदद मिलती है। एक सैन्य अधिकारी के मुताबिक, हमले में निशाना बनाए गए जवान रैपिड इंटरवेंशन नाम से गठित नई सुरक्षा इकाई का हिस्सा थे। इस बल को इलाके की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। यमन में संघर्ष फिर क्यों

बलों को जरूरी सामान और सैन्य आपूर्ति पहुंचाने में मदद मिलती है। एक सैन्य अधिकारी के मुताबिक, हमले में निशाना बनाए गए जवान रैपिड इंटरवेंशन नाम से गठित नई सुरक्षा इकाई का हिस्सा थे। इस बल को इलाके की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। यमन में संघर्ष फिर क्यों

को कमजोर कर दिया, जिसने यमन के गृहयुद्ध में लड़ाई को काफी हद तक रोक दिया था। इसी बीच रविवार को उत्तरी यमन के हूती नियंत्रित सादा प्रांत में हवाई हमला हुआ। हूती प्रशासन के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इसमें कम से कम नौ लोगों की मौत हुई, जिनमें पांच बच्चे और दो महिलाएं शामिल थीं। हूतियों ने इसके लिए सऊदी नेतृत्व वाले बलों को जिम्मेदार ठहराया। सप्ताहांत के इलाकों में अपना कब्जा बढ़ाया है। यह स मुद्दी रास्ता के मारे जाने या घायल होने का दावा भी किया गया। सऊदी अरब की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई। सऊदी अरब और लाल सागर के आसपास तनाव क्यों बढ़ा?

हूती विद्रोहियों ने हाल के हफ्तों में सऊदी अरब पर भी हमले फिर शुरू किए हैं। उनका

फ्रांस में प्रदर्शनों के पीछे वैश्विक वामपंथी संगठन?,भारत में भी हिंसा भड़काने की साजिश, रिपोर्ट में दावा

वॉशिंगटन। फ्रांस में छात्र प्रदर्शनों के पीछे वैश्विक वामपंथी संगठनों के नेटवर्क की भूमिका होने का दावा किया गया है। फॉक्स न्यूज डिजिटल की 9 अक्तूबर को प्रकाशित एक जांच रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रांस के छात्र आंदोलन और उससे जुड़े समर्थक नेटवर्क में 50 संगठनों की पहचान की गई है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि कम्युनिस्ट, समाजवादी और वामपंथी संगठन स्कूलों की स्थिति को लेकर हो रहे प्रदर्शनों के जरिए अपने व्यापक राजनीतिक और वैचारिक एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। फॉक्स न्यूज डिजिटल ने जिन 50 संगठनों का विश्लेषण किया, उनमें से 15 छात्र या युवा संगठन हैं। बाकी 35 संगठनों में श्रमिक संघ, कम्युनिस्ट और समाजवादी संगठन, राजनीतिक दल, नागरिक अधिकार समूह और अन्य अभियान चलाने वाले संगठन शामिल हैं।

अमेरिका से भारत तक मिले नेटवर्क के तार रिपोर्ट में कहा गया है कि इस नेटवर्क का विस्तार फ्रांस से आगे अमेरिका, ब्रिटेन, ग्रीस, ब्राजील और भारत तक है। इसमें शामिल संगठन समर्थकों को जुटाने, हड़तालों की अपील करने और अंतरराष्ट्रीय मीडिया के जरिये प्रदर्शनों को बढ़ावा देने का काम कर रहे हैं। शुरुआत में शिक्षा से जुड़ी शिकायतों पर केंद्रित इस आंदोलन में बाद में ऐसे समूह भी शामिल हो गए, जिनके राजनीतिक उद्देश्य पूंजीवाद, सरकारी खर्च में कटौती, पुलिस व्यवस्था, सैन्य खर्च और इस्त्राइल से जुड़े मुद्दों तक फैले हुए हैं। भारत से जुड़े संगठन का भी जिक्र

फॉक्स न्यूज डिजिटल की रिपोर्ट में फ्रांस स्थित संगठन इंडियन अलायंस पेरिस का भी जिक्र किया गया है। यह संगठन छात्रों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों से जुड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, इस संगठन ने सोशल मीडिया पर फ्रांस में हो रहे प्रदर्शनों का समर्थन किया और उनकी तुलना भारत में हुए छात्र प्रदर्शनों से की। रिपोर्ट के मुताबिक, संगठन ने एक्स पर एक संदेश पोस्ट करते हुए दोनों देशों के युवाओं के समर्थन में लिखा, प्जेन जी के नामक फ्रांस में। भारत में। आज के लिए शाबाश। संगठन के एक्स अकाउंट पर भारत में हुए प्रदर्शनों से संबंधित कई पोस्ट भी हैं।

6 अक्तूबर को संगठन ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को हिरासत में लिए जाने का एक वीडियो साझा किया। इसके साथ लिखा, प्संसद में विपक्ष के नेता को नई दिल्ली में गिरफ्तार किया जा रहा है। भारत सरकार शर्म करो। दिल्ली पुलिस शर्म करो। 7 अक्तूबर को संगठन ने एक समाचार विलप साझा की, जिसमें दावा किया गया था कि पुलिस मुस्लिम मतदाताओं को वोट डालने से रोक रही है और विपक्षी कार्यकर्ताओं तथा नेताओं को बड़े पैमाने पर गिरफ्तार किया जा रहा है। पोस्ट में सवाल उठाया गया कि क्या इसके बावजूद इसे लोकतंत्र कहा जाना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थान पर भी आरोप फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में न्यूयॉर्क स्थित मीडिया संस्थान ब्रेकथ्रू न्यूज का भी जिक्र किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, इस संस्थान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शनों को प्रचारित किया। इसमें प्रदर्शनों को धैर्यव्यतिथा के खिलाफ ऐतिहासिक हड़तालएं बताया गया और छात्रों तथा पुलिस के बीच टकराव के वीडियो साझा किए गए।

जेडी वेंस ने भी की थी टिप्पणी रिपोर्ट में ‘अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की टिप्पणियों का भी जिक्र किया गया है।

कहना है कि सऊदी अरब यमन की सरकार का समर्थन कर रहा है। विद्रोही सऊदी हवाई अड्डों, तेल ठिकानों और सैन्य सुविधाओं को निशाना बना रहे हैं। इन हमलों से हजारों उड़ानें प्रभावित हुई हैं और 19 लोगों की मौत हुई है। सऊदी तेल कंपनी अरामको के मुख्यालय पर भी हमला किया गया। इसल अलावा हूतियों ने लाल सागर के तट और बाब अल–मंदेब जलडमरूमध्य के आसपास के इलाकों में अपना कब्जा बढ़ाया है। यह स मुद्दी रास्ता अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए अहम है और हों मुंज जलडमरूमध्य के विकल्प के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इस रणनीतिक इलाके से हूतियों को हटाने और क्षेत्र पर दोबारा कब्जा करने के लिए सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने इसी महीने बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया है।

फ्रांस में प्रदर्शनों के पीछे वैश्विक वामपंथी संगठन?,भारत में भी हिंसा भड़काने की साजिश, रिपोर्ट में दावा

वॉशिंगटन। फ्रांस में छात्र प्रदर्शनों के पीछे वैश्विक वामपंथी संगठनों के नेटवर्क की भूमिका होने का दावा किया गया है। फॉक्स न्यूज डिजिटल की 9 अक्तूबर को प्रकाशित एक जांच रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रांस के छात्र आंदोलन और उससे जुड़े समर्थक नेटवर्क में 50 संगठनों की पहचान की गई है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि कम्युनिस्ट, समाजवादी और वामपंथी संगठन स्कूलों की स्थिति को लेकर हो रहे प्रदर्शनों के जरिए अपने व्यापक राजनीतिक और वैचारिक एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। फॉक्स न्यूज डिजिटल ने जिन 50 संगठनों का विश्लेषण किया, उनमें से 15 छात्र या युवा संगठन हैं। बाकी 35 संगठनों में श्रमिक संघ, कम्युनिस्ट और समाजवादी संगठन, राजनीतिक दल, नागरिक अधिकार समूह और अन्य अभियान चलाने वाले संगठन शामिल हैं।

अमेरिका से भारत तक मिले नेटवर्क के तार रिपोर्ट में कहा गया है कि इस नेटवर्क का विस्तार फ्रांस से आगे अमेरिका, ब्रिटेन, ग्रीस, ब्राजील और भारत तक है। इसमें शामिल संगठन समर्थकों को जुटाने, हड़तालों की अपील करने और अंतरराष्ट्रीय मीडिया के जरिये प्रदर्शनों को बढ़ावा देने का काम कर रहे हैं। शुरुआत में शिक्षा से जुड़ी शिकायतों पर केंद्रित इस आंदोलन में बाद में ऐसे समूह भी शामिल हो गए, जिनके राजनीतिक उद्देश्य पूंजीवाद, सरकारी खर्च में कटौती, पुलिस व्यवस्था, सैन्य खर्च और इस्त्राइल से जुड़े मुद्दों तक फैले हुए हैं। भारत से जुड़े संगठन का भी जिक्र

फॉक्स न्यूज डिजिटल की रिपोर्ट में फ्रांस स्थित संगठन इंडियन अलायंस पेरिस का भी जिक्र किया गया है। यह संगठन छात्रों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों से जुड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, इस संगठन ने सोशल मीडिया पर फ्रांस में हो रहे प्रदर्शनों का समर्थन किया और उनकी तुलना भारत में हुए छात्र प्रदर्शनों से की। रिपोर्ट के मुताबिक, संगठन ने एक्स पर एक संदेश पोस्ट करते हुए दोनों देशों के युवाओं के समर्थन में लिखा, प्जेन जी के नामक फ्रांस में। भारत में। आज के लिए शाबाश। संगठन के एक्स अकाउंट पर भारत में हुए प्रदर्शनों से संबंधित कई पोस्ट भी हैं।

6 अक्तूबर को संगठन ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को हिरासत में लिए जाने का एक वीडियो साझा किया। इसके साथ लिखा, प्संसद में विपक्ष के नेता को नई दिल्ली में गिरफ्तार किया जा रहा है। भारत सरकार शर्म करो। दिल्ली पुलिस शर्म करो। 7 अक्तूबर को संगठन ने एक समाचार विलप साझा की, जिसमें दावा किया गया था कि पुलिस मुस्लिम मतदाताओं को वोट डालने से रोक रही है और विपक्षी कार्यकर्ताओं तथा नेताओं को बड़े पैमाने पर गिरफ्तार किया जा रहा है। पोस्ट में सवाल उठाया गया कि क्या इसके बावजूद इसे लोकतंत्र कहा जाना चाहिए।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरांज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर
289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।